

सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534

डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./दुर्ग/1000000029/2026-28

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच



वर्ष- 18 अंक - 42 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, बुधवार 25 नवम्बर 2026 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास - खबर

चावल जमा करने में लापरवाही, रायपुर के 34 राइस मिलर्स को नोटिस, एक मिल सील

रायपुर। बस्तर जिले के लिए चावल जमा करने में लापरवाही बरतने वाले रायपुर जिले के राइस मिलर्स पर प्रशासन ने सख्ती शुरू कर दी है। तय समय-सीमा में चावल जमा नहीं करने पर जिले की 34 राइस मिलों को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया था। इसके बाद आरंग क्षेत्र के मंदिर हसौद स्थित कमल राइस मिल की जांच की गई। अनियमितता मिलने और निर्धारित समय में चावल जमा नहीं करने की पुष्टि के बाद प्रशासन ने मिल को सील कर दिया। विभागीय आंकड़ों के मुताबिक, रायपुर जिले की मिलों पर बस्तर के लिए कुल 66,207.19 क्विंटल चावल जमा करना बाकी है। इसमें 11,221.68 क्विंटल स्टेट पूल और 54,985.52 क्विंटल सेंट्रल पूल का चावल शामिल है। विभागीय सूची में कमल राइस मिल के नाम पर कुल 5,526.90 क्विंटल चावल जमा करना बाकी दर्ज है। इसमें 4,783.11 क्विंटल स्टेट पूल और 743.79 क्विंटल सेंट्रल पूल का चावल शामिल है। प्रशासन ने 24 नवंबर को मिल की जांच के बाद उसे सील कर दिया।

बीजापुर में माओवादियों के दो डम्प का भंडाफोड़, हथियारों का जखीरा बरामद

बीजापुर। जिले में माओवादी गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए अभियान चलाया जा रहा है। इस दौरान सुरक्षा बलों को दो अलग-अलग स्थानों पर माओवादी डम्प मिले हैं। इन डम्पों से भारी मात्रा में हथियार, उपकरण और विस्फोटक सामग्री जब्त की गई है। पहली कार्रवाई थाना पामेड़ क्षेत्र के कोरागुट्टा जंगल में हुई। यह कार्रवाई जिला बल और कोबरा 208 की संयुक्त टीम ने की। दूसरी कार्रवाई आवापल्ली क्षेत्र के पेद्दापुन्नुर जंगल में की गई। इसमें जिला बल और केरिपु 62/ई कंपनी शामिल थी। पुलिस के अनुसार, कोरागुट्टा के जंगल में सर्च अभियान के दौरान माओवादियों द्वारा छिपाए गए उपकरण मिले। इन उपकरणों में संचार और इलेक्ट्रॉनिक सामग्री का बड़ा जखीरा शामिल था। पुलिस का मानना है कि माओवादी इनका उपयोग अपनी संचार व्यवस्था और तकनीकी गतिविधियों में करते थे। बरामद सामग्री को जब्त कर पुलिस वैधानिक कार्रवाई कर रही है।

उमर खालिद और शरजील इमाम को अंतरिम जमानत देने से सुप्रीम कोर्ट का इनकार

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को 2020 के दिल्ली दंगों से जुड़े बड़ी साजिश के मामले में उमर खालिद और शरजील इमाम की जमानत याचिकाओं पर दिल्ली पुलिस को नोटिस जारी किया है। गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) के तहत दर्ज इस मामले में दिल्ली हाईकोर्ट ने हाल ही में दोनों को जमानत देने से इनकार कर दिया था। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने आज उनकी अंतरिम जमानत की मांग पर विचार करने से इनकार कर दिया। दोनों आरोपियों ने कोर्ट में दायर याचिकाओं में कहा कि अभियोजन पक्ष अब तक संरक्षित गवाहों की गवाही दर्ज नहीं करा पाया है। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहना की पीठ ने कहा कि अंतरिम राहत की मांग पर विचार करने से पहले वह संबंधित पक्ष यानी दिल्ली पुलिस का पक्ष सुनेगी।

धर्मांतरण पर जशपुर की पंचायतों का फरमान, लगाए पादरियों के प्रवेश पर प्रतिबंध संबंधी सूचना बोर्ड

श्रीकंचनपथ न्यूज

जशपुर। छत्तीसगढ़ के जशपुर जिले में धर्मांतरण और आदिवासी परंपराओं को लेकर विवाद गहराता नजर आ रहा है। मनोरा जनपद पंचायत की चार ग्राम पंचायतों में विशेष ग्रामसभा के प्रस्ताव के बाद ईसाई धर्म प्रचारकों, पादरियों और पास्टरों के प्रवेश पर प्रतिबंध संबंधी सूचना बोर्ड लगाए गए हैं। इस फैसले को लेकर जिले में अलग-अलग प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं।

समर्थक इसे आदिवासी संस्कृति और पारंपरिक आस्था की रक्षा से जुड़ा कदम बता रहे हैं, जबकि ईसाई आदिवासी महासभा ने इस पर आपत्ति जताई है। वहीं इस पूरे मामले में जशपुर एसडीएम ओंकारेश्वर सिंह ने कहा कि ग्राम पंचायतें स्वायत्त निकाय हैं, लेकिन उन्हें बोर्ड लगाए जाने की जानकारी नहीं है। उन्होंने कहा कि इस संबंध में जानकारी ली जाएगी और ग्राम पंचायतों से चर्चा कर मामले को सुलझाने का प्रयास किया जाएगा।



मिली जानकारी के अनुसार, मनोरा जनपद पंचायत की सोगड़ा, चाड़िया, केसरा और डुमरटोली ग्राम पंचायतों में विशेष ग्रामसभा आयोजित की गई थी। इसमें आदिवासी संस्कृति, रीति-रिवाज, पारंपरिक आस्था और सामाजिक एकजुटता से जुड़े विषयों पर चर्चा हुई। बताया गया कि पेसा अधिनियम 1996 के तहत ग्रामसभा के अधिकारों और जिम्मेदारियों पर विचार करते हुए पादरी और पास्टरों के प्रवेश पर रोक लगाने का प्रस्ताव पारित किया गया। इसके बाद संबंधित गांवों में सूचना बोर्ड लगाए गए। बताया जा रहा है कि जिले की अन्य ग्राम पंचायतों में भी इसी तरह के सूचना बोर्ड लगाने की तैयारी की जा रही है। ग्रामसभा के फैसले का समर्थन कर रहे ग्रामीणों का कहना है कि आदिवासी समाज की अपनी विशिष्ट परंपराएं, देवी-देवता और पूजा पद्धतियां हैं। इनसे गांव की सामाजिक एकता और सामुदायिक व्यवस्था जुड़ी हुई है। पूर्व पार्षद भगत ने भी इस निर्णय को आदिवासी संस्कृति और परंपराओं के संरक्षण से जुड़ा कदम बताया है।

पीएम जनमन योजना : जशपुर में बनेंगे पांच बड़े पुल, सरकार से मिली 16 करोड़ की स्वीकृति

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में जनजातीय क्षेत्रों में मजबूत हो रही सड़क संपर्क व्यवस्था

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ के दूरस्थ एवं जनजातीय बहुल क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं के विस्तार और सड़क संपर्क व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महाअभियान (पीएम जनमन) के तहत जशपुर जिले को पांच वृहद पुलों के निर्माण की सौगात मिली है। राज्य शासन के पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा इन पुलों के निर्माण के लिए कुल 16 करोड़ 3 लाख 34 हजार रुपये की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है।



पीएम जनमन योजना के अंतर्गत वर्ष 2026-27 के बैच-द्व में भारत सरकार के ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा 6 नवंबर 2026 को जारी पत्र के अनुसार छत्तीसगढ़ में 167 पुलों के निर्माण की स्वीकृति दी गई है। इनमें जशपुर जिले के बगीचा विकासखंड के पांच वृहद पुल शामिल हैं। इन पुलों के निर्माण से विशेष रूप से दूरस्थ जनजातीय क्षेत्रों में आवागमन की सुविधा बेहतर होगी तथा ग्रामीण बसाहटों का मुख्य मार्गों से संपर्क मजबूत होगा।

बगीचा विकासखंड में होगा पांच पुलों का निर्माण

स्वीकृत कार्यों के तहत डंगरी से दरावाकोना मार्ग पर नाले में 60 मीटर लंबे पुल के निर्माण के लिए 3 करोड़ 56 लाख 23 हजार तथा जबला से नवापारा मार्ग पर नाले में 30 मीटर लंबे पुल के निर्माण के लिए 1 करोड़ 83 लाख 21 हजार की स्वीकृति प्रदान की गई है। कमरीमा मंझाटोली से खपरीडीह मार्ग पर नाले में 60 मीटर लंबे पुल के निर्माण के लिए 4 करोड़ 4 लाख 19 हजार, बगीचा-कांसाबेल मार्ग से जनकपुर पहुंच मार्ग पर नाले में 80 मीटर लंबे पुल के निर्माण के लिए 3 करोड़ 52 लाख 67 हजार तथा कुहापानी से बांसधार मार्ग पर नाले में 60 मीटर लंबे पुल के निर्माण के लिए 3 करोड़ 7 लाख 4 हजार की स्वीकृति दी गई है।

बारहमासी संपर्क सुविधा से विकास को मिलेगी गति

इन पुलों के निर्माण से वर्षा ऋतु में आवागमन बाधित होने की समस्या से ग्रामीणों को राहत मिलेगी। किसानों को अपनी कृषि उपज बाजार तक पहुंचाने, विद्यार्थियों को शिक्षण संस्थानों तक जाने तथा मरीजों को समय पर स्वास्थ्य केंद्रों और अस्पतालों तक पहुंचाने में सुविधा होगी। इसके साथ ही स्थानीय व्यापार, रोजगार एवं आजीविका संबंधी गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलने की संभावना है। बेहतर सड़क संपर्क से दूरस्थ जनजातीय बसाहटों तक शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं और आवश्यक सेवाओं की पहुंच भी आसान होगी। इन पुलों के निर्माण से ग्रामीण क्षेत्रों की सामाजिक एवं आर्थिक गतिविधियों को गति मिलेगी।

छत्तीसगढ़ में अगले 2 दिनों में बढ़ेगी ठंड, 4 डिग्री तक गिरेगा तापमान



श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में अगले 2 दिनों में ठंड बढ़ने की संभावना है। मौसम विभाग के मुताबिक, प्रदेश में अगले 48 घंटों के दौरान न्यूनतम तापमान में 2 से 4 डिग्री सेल्सियस तक गिरावट आ सकती है। इसके बाद तापमान में कोई विशेष बदलाव होने की संभावना नहीं है। फिलहाल प्रदेश में मौसम ड्राई बना हुआ है। मंगलवार को प्रदेश में सबसे ज्यादा अधिकतम तापमान 30.5 डिग्री सेल्सियस जगदलपुर में दर्ज किया गया। वहीं, सबसे कम न्यूनतम तापमान 14 डिग्री सेल्सियस पेंड्रा रोड में रहा।

राजधानी रायपुर में मंगलवार को अधिकतम तापमान 30.1 डिग्री और न्यूनतम तापमान 20.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। अधिकतम तापमान सामान्य रहा, जबकि न्यूनतम तापमान सामान्य से 4.2 डिग्री ज्यादा रहा। मौसम विभाग के अनुसार, 25 नवंबर को रायपुर में आसमान साफ रहने की संभावना है। अधिकतम तापमान 30 डिग्री और न्यूनतम तापमान 19 डिग्री सेल्सियस के आसपास रह सकता है। मौसम विभाग के अनुसार, 23 नवंबर 2026 को सुबह 8:30 बजे दर्ज आंकड़ों में प्रदेश के अलग-अलग जिलों में न्यूनतम तापमान में अंतर रहा। बस्तर में सबसे कम 16.6 डिग्री तापमान दर्ज किया गया। वहीं गरियाबंद में न्यूनतम तापमान 20.5 डिग्री रहा।

पांच हजार शिक्षक पदों पर भर्ती परीक्षा 29 नवंबर से होगी, 20 दिसंबर तक चलेगी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ के स्कूलों में शिक्षक संवर्ग के रिक्त पदों की पूर्ति के लिए भर्ती प्रक्रिया 29 नवंबर से आरंभ हो रही है। छत्तीसगढ़ कर्मचारी चयन मंडल चालू शिक्षा सत्र के दौरान सहायक शिक्षक, शिक्षक और व्याख्याता के कुल 5,000 पदों पर सीधी भर्ती के लिए परीक्षा कर रहा है। यह चरणबद्ध परीक्षा प्रक्रिया 29 नवंबर से 20 दिसंबर तक संचालित होगी। परीक्षा के पहले दिन 29 नवंबर को 854 पदों के लिए व्याख्याता भर्ती परीक्षा होगी। व्याख्याता भर्ती परीक्षा का आयोजन सुबह 10:00 बजे से दोपहर 12:15 बजे की पाली में निर्धारित किया गया है। इस परीक्षा में हिंदी, अंग्रेजी, संस्कृत, भौतिकी, राजनीति शास्त्र, इतिहास, भूगोल और अर्थशास्त्र विषय के अभ्यर्थी हिस्सा लेंगे।

विभिन्न विषयों के लिए तय पदों का विवरण जारी कर दिया गया है। इसके तहत व्याख्याता भर्ती में हिंदी विषय के 120 पद, अंग्रेजी विषय के 120 पद तथा संस्कृत विषय के 120 पद निर्धारित हैं। वहीं दूसरी ओर राजनीति शास्त्र, इतिहास, भूगोल और अर्थशास्त्र विषयों के लिए 100-100 पद रखे गए हैं। इसके अतिरिक्त भौतिकी विषय के व्याख्याता के लिए कुल 94 पद तय किए गए हैं।

जुआ खेलते समय छापा, डर से तालाब में कूदा युवक, तीन दिन बाद मिली लाश, बिलासपुर-चंद्रपुर रोड पर चक्काजाम



सक्ती। छत्तीसगढ़ के सक्ती जिले में 3 दिन से लापता 38 साल के महेश राम केंवट का शव बुधवार सुबह गंगासागर तालाब से मिला। वह 22 नवंबर की रात से लापता था। उसकी तलाश में स्थानीय गोताखोरों के बाद बिलासपुर से स्कूबा की टीम बुलाई गई थी। ग्रामीणों का आरोप है कि घटना वाली रात जुए की फड़ पर पुलिस ने दबिश दी थी। कथित तौर पर कुछ युवकों से मारपीट की गई। इसी डर से महेश ने तालाब में छलांग लगाई थी। इस मामले में कांग्रेस और परिजनों ने ट्रेनी थाना प्रभारी के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज करने, सस्पेंशन और परिवार को 50 लाख मुआवजा देने की मांग की है। वहीं, महेश केवट की मौत से आक्रोशित ग्रामीणों ने कार्रवाई की मांग को लेकर बिलासपुर-चंद्रपुर मुख्य मार्ग पर चक्काजाम कर दिया है। इधर एसपी पंकज पटेल ने सभी पहलुओं की निष्पक्ष जांच कराने की बात कही है। मामला हसौद थाना क्षेत्र के ग्राम डोमाडीह का है।

भिलाई के रुआबांधा में शुरू हुई नवीन पुलिस चौकी, पांच वार्डों की सुरक्षा पर रहेगा फोकस

■ **विधायक ललित चंद्राकर व एसएसपी की मौजूदगी में शुरू हुआ कामकाज**

श्रीकंचनपथ न्यूज



भिलाई। थाना भिलाई नगर क्षेत्रांतर्गत नवीन पुलिस चौकी रूआबांधा का शुभारंभ मंगलवार को सीएम साय द्वारा किया गया। बुधवार को विधायक ललित चंद्राकर व एसएसपी विजय अग्रवाल की मौजुदगी में चौकी में विधिवत कार्य का शुभारंभ किया गया। चौकी के अंतर्गत रूआबांधा बस्ती, मायानगर, एचसीएल कॉलोनी, सेक्टर क्षेत्र, एनएसपीसीएल कॉलोनी, तलपुरी ए एवं बी ब्लॉक, मंडी तथा नवनिर्माण कॉलोनी सी ब्लॉक सम्मिलित किए गए हैं।

पुलिस चौकी के अंतर्गत विधानसभा क्षेत्र दुर्ग ग्रामीण के वार्ड क्रमांक 01, 02, 03, 04 एवं 05 के नागरिकों को स्थानीय स्तर पर पुलिस सहायता उपलब्ध होगी। क्षेत्र में चोरी, मारपीट, आपसी विवाद, नशे के अवैध कारोबार एवं असामाजिक गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण तथा शनिवार बाजार में बेहतर सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी।

नवीन पुलिस चौकी रूआबांधा के प्रारंभ होने से क्षेत्र में पुलिस की नियमित उपस्थिति, सतत निगरानी एवं त्वरित पुलिस सहायता सुनिश्चित होगी। बढ़ती आबादी, क्षेत्र की भौगोलिक स्थिति तथा नागरिकों से प्राप्त शिकायतों को ध्यान में रखते हुए चौकी की स्थापना की गई है। इससे पांच वार्डों के नागरिकों को पुलिस सेवाओं तक आसान पहुंच मिलेगी तथा अपराधों की रोकथाम एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने में सहायता मिलेगी।



संपादकीय

भाजपा-अकाली पुनर्मिलन

पंजाब के हितों को देनी होगी प्राथमिकता

पिछले कुछ महीनों से पंजाब व दिल्ली में भाजपा व अकाली दल की तरफ से जिस तरह की बयानबाजियां और राजनीतिक हलचल सामने आ रही थी, उसके निहितार्थ स्पष्ट ही थे। जो संकेत दे रहे थे कि पंजाब में विधानसभा चुनाव से पहले शिरोमणि अकाली दल और भारतीय जनता पार्टी का फिर एक बार साथ आना लगभग तय ही है। वर्ष 2027 के आसन्न पंजाब विधानसभा चुनाव से ठीक पहले इन दोनों दलों का साथ आने का फैसला बताता है कि यह गठबंधन सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी और मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस को चुनौती देने के ठोस प्रयास कर कर रहा है। इस गठबंधन की घोषणा गुरु नानक देव जी के प्रकाश उत्सव के मौके पर की गई है, जिसके ऐतिहासिक और प्रतीकात्मक, दोनों ही तरह के महत्व हैं। यहां उल्लेखनीय है कि भारतीय जनता पार्टी और अकाली दल ने पहली बार तीन दशक पहले भी हाथ मिलाया था। उस समय इस गठबंधन को आतंकवाद से उबरते पंजाब में हिंदू-सिख एकता के प्रतीक के रूप में देखा जाता था। कालांतर दोनों दलों के रिश्तों में खटास उस समय आई, जब केंद्र सरकार द्वारा लाए गए तीन विवादित कानूनों के विरोध में व्यापक जनाक्रोश दिखा। किसानों के आक्रोश के चलते अकाली दल को अपना जनाधार खिसकता नजर आया था। कालांतर वर्ष 2020 में अकाली दल ने भाजपा नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन से नाता तोड़ लिया था। बहरहाल, इस गठबंधन की घोषणा के बाद जिस तरह के बयान गृहमंत्री अमित शाह की तरफसे आए हैं, वह दर्शाता है कि पिछले एक दशक में शिरोमणि अकाली दल के सिमटते जनाधार के बावजूद इस क्षेत्रीय दल को पर्याप्त महत्व दिया जा रहा है। अमित शाह ने गठबंधन की घोषणा के बाद कहा कि अकाली दल पंजाब में बड़े भाई की भूमिका में रहेगा। साथ ही यदि गठबंधन की जीत हुई तो मुख्यमंत्री पद अकाली दल को ही मिलेगा। वैसे यह एक हकीकत है कि इस गठबंधन के बावजूद पंजाब के राजनीतिक परिदृश्य को पूरी तरह बदल देना आसान भी नहीं होगा।

> **“ यहां उल्लेखनीय है कि भारतीय जनता पार्टी और अकाली दल ने पहली बार तीन दशक पहले भी हाथ मिलाया था। उस समय इस गठबंधन को आतंकवाद से उबरते पंजाब में हिंदू-सिख एकता के प्रतीक के रूप में देखा जाता था। कालांतर दोनों दलों के रिश्तों में खटास उस समय आई, जब केंद्र सरकार द्वारा लाए गए तीन विवादित कानूनों के विरोध में व्यापक जनाक्रोश दिखा। किसानों के आक्रोश के चलते अकाली दल को अपना जनाधार खिसकता नजर आया था। कालांतर वर्ष 2020 में अकाली दल ने भाजपा नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन से नाता तोड़ लिया था।**

वैसे आज भी शिरोमणि अकाली दल पर साल 2025 की बेअदबी की घटनाओं और उसके बाद हुए राज्यव्यापी विरोध-प्रदर्शनों का बोझ है। जिसने उस समय अकाली सरकार को हिलाकर रख दिया था। वहीं, केंद्र में सत्ताधारी भाजपा के खिलाफ तीन कृषि कानूनों को लेकर उपजे गुस्से को पूरी तरह समाप्त नहीं समझ लेना चाहिए। तब किसान काफी नाराज हुए थे और उन्होंने दिल्ली की सीमाओं पर पूरे एक साल तक आंदोलन किया था। अंतत: नवंबर 2021 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इन कानूनों को वापस लेने की घोषणा की थी। लेकिन इसके बावजूद आगामी चुनावों में भाजपा को कोई सकारात्मक प्रतिसाद पंजाब की जनता की तरफसे नहीं मिला था। तीन माह बाद, 2022 के विधानसभा चुनावों में भाजपा को सिर्फ दो सीटों में ही संतोष करना पड़ा था। कमोबेश शिअद की स्थिति भी कोई अच्छी नहीं रही थी। उसे तब सिर्फतीन ही सीटें मिली थीं। निस्संदेह, यह अकाली दल का अब तक का सबसे खराब प्रदर्शन था। इसके विपरीत आम आदमी पार्टी ने तब रिकॉर्ड जीत दर्ज की थी। बहरहाल, भाजपा और शिअद के इस पुनर्मिलन से दो मुख्य सवाल खड़े होते हैं। क्या इस गठबंधन के पीछे पंजाब के उन्नयन को लेकर कोई साझा विज़न है? या ये फिर महज चुनावी गणित ही है? सवाल यह भी है कि क्या यह गठबंधन दोनों दलों के लिये लाभदायक साबित होगा? निस्संदेह, आज पंजाब गंभीर चुनौतियों का सामना कर रहा है। इसमें आर्थिक दबाव भी एक बड़ा कारण है। राज्य गंभीर बेरोजगारी की चपेट में है। वहीं राज्य में नशीले पदार्थों का बढ़ता कारोबार व सेवन एक गंभीर चुनौती है। हालांकि, भाजपा ने पंजाब में नशे के खात्मे को अपनी प्राथमिकता बताया है और नशामुक्त पंजाब का रोडमैप भी सार्वजनिक किया है। जब पंजाब के राज्यपाल को कहना पड़ता है कि यहां गोलियां पटाखों की तरह चलती हैं, तो गैंगस्टरों के पसरे आतंक को समझा जा सकता है। शिअद और भाजपा के इस गठबंधन के लिये असली इम्तिहान यह भी होगा कि वे मतदाताओं को कैसे यकीन दिलाएंगे कि यह पंजाब के लिये सबसे बेहतर विकल्प है?

बर्बरता व विस्थापन के त्रास और धूमिल आस

डॉ. विरेन्द्र महाजन

मीरपुर बलिदान दिवस

पुराने मीरपुर की गलियां और मंदिर भले ही मंगला बांध के पानी के नीचे दबे हों। फिर भी, किसी समाज के इतिहास को डुबोया नहीं जा सकता, उसकी पहचान को कानून बनाकर मिटाया नहीं जा सकता, और उसके वंशजों के जायज दावों को दबाया नहीं जा सकता।

आजादी के ठीक बाद पाकिस्तानी कबायली आक्रमण व हफ्तों की भीषण घेराबंदी के बाद ऐतिहासिक शहर मीरपुर का पतन हुआ। 25 नवंबर, 1947 को हमले के बाद हुआ सामूहिक नरसंहार, बड़े पैमाने पर अपहरण, लूटपाट और जबरन निष्कासन का एक सुनियोजित षड्यंत्र था। हिंदू और सिख अल्पसंख्यकों को चुन-चुनकर निशाना बनाया गया। हर साल 25 नवंबर को मीरपुर के विस्थापित परिवार 'मीरपुर बलिदान दिवस' मनाते हैं। यह दिन जीवित बचे लोगों और वंशजों के लिए यह रिसता गहरा घाव है। जो समेटे हुए हिंसक विस्थापन, कूटनीतिक विस्मृति और संस्थागत उपेक्षा के उन्यासी वर्षों का दर्द।

मीरपुर के लोगों ने किसी युद्ध के दौरान पराजित पक्ष के साथ आदिम क्रूरता झेली। यह सामूहिक नरसंहार, सामूहिक अपहरण, लूटपाट और बेदखली का सुनियोजित षड्यंत्र था। महिलाओं का अपहरण कर अमानवीय अत्याचार किए गए; समाज के बुजुर्गों, पेशेवरों और नागरिक नेताओं की निर्मम हत्या की गई। रातों-रात मीरपुर, भीमबर, कोटली, मुजफ्फराबाद और पुंछ के मूल निवासियों के घर, व्यवसाय, उपजाऊ जमीनें और पवित्र धर्मस्थल छीन लिए गए—उन्हें केवल तन के कपड़ों के साथ बाहर खदेड़ दिया गया। मीरपुर की त्रासदी स्वतंत्र भारत के कूटनीतिक अभिलेखों में काले अक्षरों में दर्ज है।

मीरपुर के पतन के महज सात दिन बाद 2 दिसंबर, 1947 को—प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने पाकिस्तानी प्रधानमंत्री लियाकत अली खान को एक अर्जेंट टेलीग्राम भेजा था। जो नेहरू अभिलेखागार में सुरक्षित है और भारत

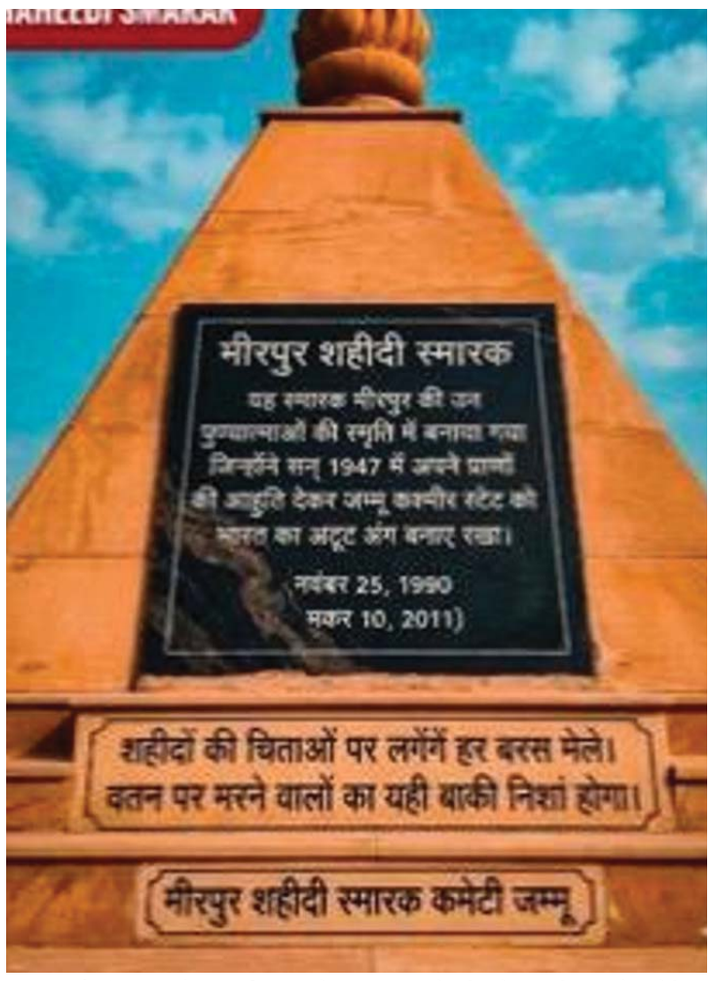

सरकार के 'जम्मू और कश्मीर पर श्वेत पत्र' में पुन: प्रकाशित हुआ। नेहरू ने कहा था 'मीरपुर शहर पूरी तरह से नष्ट हो चुका है।' उन्होंने दर्ज किया कि 13,000 गैर-मुस्लिमों में से केवल 2,000 ही किसी तरह जान बचाकर भारत पहुंच पाए थे। उन्होंने हजारों लापता शरणार्थियों और बड़ी संख्या में अपहृत हिंदू महिलाओं को लेकर गहरी चिंता जतायी थी।

सामूहिक अत्याचार के आधिकारिक रिकॉर्ड पर दर्ज होने के बावजूद विस्थापितों के प्रति उन्यासी वर्षों की निष्क्रियता और चुप्पी का आखिर क्या औचित्य है? आठ दशकों से संयुक्त राष्ट्र और वैश्विक मानवाधिकार संस्थानों ने जम्मू-कश्मीर के क्षेत्रीय विवाद का हर पहलू से विश्लेषण किया है—लेकिन मीरपुर के हिंदू-सिख अल्पसंख्यकों के नस्लीय सफाए पर उन्होंने रहस्यमय चुप्पी साधे रखी। धार्मिक पहचान के आधार पर लोगों को निशाना बनाया गया था। ऐसे अपराध जिनकी संयुक्त राष्ट्र नरसंहार कन्वेंशन के तहत अंतर्राष्ट्रीय जांच होनी चाहिए थी। चुनिंदा मामलों में मानवाधिकारों की वकालत मानवीय गरिमा के साथ विश्वासघात है।

आज, 1947 की भयावहता को झेलने वाली लगभग पूरी पीढ़ी बिना न्याय देखे इस दुनिया से विदा हो चुकी है। उनके बच्चों और नाती-पोतों को न केवल निर्वासन का दर्द मिला, बल्कि एक संवेदनहीन नौकरशाही से भी लड़ना पड़ा। संसद में पेश आधिकारिक आंकड़े पीओजेके के 31,619 पंजीकृत विस्थापित परिवारों को स्वीकार करते हैं—जिनमें 26,319 जम्मू-कश्मीर में और 5,300 अन्य राज्यों में फैले हुए हैं। इसके अलावा अनगिनत परिवार जान बचाने के डर से सीधे दिल्ली, पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, उत्तर प्रदेश और अन्य राज्यों में भाग गए। जो औपचारिक शिविर पंजीकरण से वंचित रह गए। पलायन के दौरान संयुक्त परिवार टूट गए, जिससे परिवारों की पूरी शाखाएं आधिकारिक सूचियों से बाहर हो गईं।

जब लोग जान बचाने हेतु जलते शहरों से भाग रहे थे, तब संपत्ति के कागजात और पंजीकरण पर्चियां साथ ले जाना असंभव था। आज किसी पीड़ित के वंशज को केवल इसलिए उसके जन्मसिद्ध अधिकार से वंचित करना कि 1947 में उसके दादा-दादी के पास कागजात नहीं थे, नौकरशाही की क्रूरता है।

दूसरी ओर 1961 और 1967 के बीच, पाकिस्तान ने कब्जे वाले क्षेत्र के भीतर झेलम नदी पर मंगला बांध का निर्माण किया। जलाशय ने ऐतिहासिक शहर मीरपुर, आसपास के दर्जनों गांवों और पुश्तैनी कृषि भूमि के बड़े हिस्से को जलमग्न कर दिया। खदेड़े जा चुके परिवारों के पुश्तैनी घर, मोहल्ले, मंदिर और विरासत गहरे पानी के नीचे समा गए। केंद्र सरकार द्वारा 2016 में प्रति पात्र परिवार 5.5 लाख रुपये की एकमुश्त वित्तीय सहायता की मंजूरी एक विलंबित स्वीकृति थी—लेकिन सांकेतिक मुआवजा व्यापक पुनर्वास का विकल्प नहीं हो सकता। अनसुलझे भूमि अधिकार, गायब रिकॉर्ड, विभाजित परिवारों के दावे और जम्मू-कश्मीर से बाहर के परिवारों की उपेक्षा आज भी हजारों लोगों को अधर में लटकाए हुए है।

आज तीसरी पीढ़ी के युवा नागरिक अपने ऐतिहासिक विस्थापन की किसी भी संरचनात्मक मान्यता के बिना विश्वविद्यालयों, व्यवसायों और सार्वजनिक जीवन में कदम रख रहे हैं। वे स्थायी और योग्य अधिकार मांग रहे हैं। पीड़ितों की मांग है कि केंद्र तुरंत एक अधिकार प्राप्त समिति गठित करे। राजनीतिक प्रतिनिधित्व बहाली के लिये, पीओजेके विस्थापितों के लिए विधानसभा की आठ सीटों को अनफ्रीज करने की 2014 की संसदीय स्थायी समिति की सिफारिश पर कार्रवाई करें। 2023 के संशोधन के तहत एक मनोनीत प्रतिनिधि केवल प्रतीकात्मक है। विस्थापितों को ठोस विधायी शक्ति की आवश्यकता है।

पीओजेके विस्थापित परिवारों के पात्र बच्चों और नाती-पोतों के लिए एक शैक्षिक ढांचा में देश भर के केंद्रीय वि.वि., आईआईटी ,एनआईटी ,मेडिकल कॉलेजों और प्रमुख संस्थानों में अतिरिक्त (सुपरन्यूमरेरी) सीटें, छात्रवृत्ति और शुल्क रियायतें शामिल हों। केंद्रीय सरकारी सेवाओं और सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों में पात्र वंशजों के लिए आयु-शुल्क में छूट सहित विशेष रोजगार-सहायता उपाय शुरू करें।दूसरी और तीसरी पीढ़ी के सदस्यों के लिए एक मानकीकृत, राष्ट्रीय स्तर पर मान्य 'पीओजेके विस्थापित परिवार वंशज प्रमाण पत्र' अनिवार्य करें। छूटे हुए परिवारों के लिए पंजीकरण फ्रि से खोलें जाएं। पिछली सूचियों से बाहर रह गए वास्तविक परिवारों और विभाजित शाखाओं के लिए एक विशेष, समयबद्ध सत्यापन अभियान शुरू करें। जिसमें खोई हुई 1947 की पर्चियों के स्थान पर ऐतिहासिक सरकारी पत्राचार, राजस्व रिकॉर्ड और विश्वसनीय पुष्टिकारक साक्ष्यों को स्वीकार किया जाए

माना एक मातृभूमि युद्धविराम रेखा के पार कट गई। मूल प्रत्यक्षदर्शी अब न रहे। पुराने मीरपुर की गलियां और मंदिर भले ही मंगला बांध के पानी के नीचे दबे हों। फिर भी, किसी समाज के इतिहास को डुबोया नहीं जा सकता, उसकी पहचान को कानून बनाकर मिटाया नहीं जा सकता, और उसके वंशजों के जायज दावों को दबाया नहीं जा सकता। मीरपुर के पतन के उन्यासी साल बाद तीसरी पीढ़ी उस मान्यता, गरिमा और न्याय की मांग करती है—जिससे उनके पूर्वजों को वंचित रखा गया था।

लेखक मीरपुर के विस्थापितों के पुनर्वास के पैरवीकार हैं।

मरीज के साथ मजबूती से खड़े होकर हीलिंग को एक सफर बनाएं

एन. रघुरामन

यह पहली बार है जब मैंने 102 सकंड लंबा कोई ट्रेलर दो बार देखा, वह भी किसी डॉक्यूमेंट्री फिल्म का। शायद इसलिए कि इसने मुझे मेरी मां की याद दिलाई, जिनकी मृत्यु कैंसर से हुई थी। यह ट्रेलर शनिवार को केंसिंग्टन पैलेस के सोशल मीडिया अकाउंट्स पर रिलीज हुआ, क्योंकि इसकी मुख्य किरदार कोई और नहीं, बल्कि 44 वर्षीय प्रिंसेस ऑफ वेल्स हैं, जिन्हें प्यार से केट कहते हैं।

उनका बर्थ-नेम कैथरीन एलिजाबेथ मिडलटन है। 30 मिनट की यह फिल्म अगले रविवार, 29 नवंबर को बीबीसी वन पर दिखाई जाएगी। फिर अमेरिका, कनाडा और ऑस्ट्रेलिया में भी रिलीज होगी।

इस साल जून में केट और उनके भाई जेम्स मिडलटन ने 24 घंटे के भीतर इंग्लैंड, स्कॉटलैंड और वेल्स के तीन सबसे ऊंचे पहाड़ों पर चढ़ाई की। इसका मकसद ब्रिटेन के विश्व प्रसिद्ध स्पेशलिस्ट कैंसर हॉस्पिटल और रिसर्च सेंटर रॉयल मार्सडेन के लिए फंड जुटाना था।

1851 में इसे कैंसर की जांच, इलाज, रिसर्च और एजुकेशन के लिए समर्पित दुनिया के पहले अस्पताल के तौर पर स्थापित किया गया था। ट्रेलर में प्रिंसेस चुनौती पूरी करने के बाद अपने पति प्रिंस विलियम, जो भावी राजा हैं, और बच्चों प्रिंस जॉर्ज, प्रिंसेस शार्लेट और प्रिंस लुइस को गले लगाकर कहती दिखती हैं कि 'कैंसर आपको बदल देता है।

आपको फिजिकली बदल देता है। लेकिन कैंसर का पता चलने से आपमें जो बदलाव आता है, उसका एक बहुत गहरा पहलू भी है। आप जानते हैं कि हीलिंग एक सफर है। कैसे उन चीजों से री-कनेक्ट हों, जिन्हें आप कभी जानते थे।

कैसे अनिश्चितता के बीच उम्मीद और खुशी तलाशें। यह साफ है कि हमें जिंदगी की चुनौतियों का सामना अकेले नहीं करना चाहिए। चीजें रिन्यू होकर आगे बढ़ सकती हैं। अकसर दर्द के जरिए ही हमें एहसास होता है कि उसके आगे एक खूबसूरती है।'

इस सफर में केट 11 वर्षीय टेड हैसलम को देखकर हैरान रह जाती हैं, जो लकवाग्रस्त व्हीलचेयर यूजर है और तीन



चोटियों की चुनौती में हिस्सा ले रहा है। उसका भाई जेम्स भी केट से 'रिंगिंग द बेल' के बारे में बात करते सुनाई देता है। अस्पताल का ट्रीटमेंट सफलतापूर्वक पूरा करने के बाद कैंसर मरीजों द्वारा यह रस्म निभाई जाती है।

ट्रेलर देखते हुए एहसास होता है कि केट को भी 2024 की शुरुआत में कैंसर डायग्नोस हुआ और उन्होंने रॉयल मार्सडेन अस्पताल में इलाज कराया था। केट और विलियम इस अस्पताल के संरक्षक हैं। ट्रेलर की भावुक एंडिंग में केट स्नोडन पर्वत की तलहटी में परिवार से मिलती हैं। अपने बच्चों को चूमने के बाद वह गर्मजोशी से विलियम को गले लगाती हैं। डॉक्यूमेंट्री का नाम है- 'हील'।

प्रिंसेस को उम्मीद है कि फिल्म कैंसर के डायग्नोसिस, रिकवरी और उसके बाद की जिंदगी से गुजर रहे लोगों की मदद करेगी। इससे समग्र कैंसर केयर तक पहुंच बनाने में बदलाव आएगा, जो मरीज की सेहत, सहनशक्ति और जीवन की गुणवत्ता को सहारा देती है। कुल मिलाकर, फिल्म से मैंने सीखा कि जल्दी ठीक होने के लिए निगेटिविटी से दूर रहकर जीएं।

ट्रेलर अचानक मुझे 1983 में ले गया, जब मेरी मां का मुंबई के टाटा मेमोरियल अस्पताल में कैंसर ट्रीटमेंट हुआ था। वह 1995 में जीवन की जंग हारने तक वहां जाती रहीं। उस दौर के कैंसर विशेषज्ञ डॉ. आरएस राव और डॉ. प्रफुल्ल देसाई ने मुझसे कहा था कि 'ऐसे समय में जब कैंसर का इलाज शुरुआती चरण में था तो विरले ही लोग 12 साल तक सर्वाइव कर पाते थे। उनका इतने लंबे समय तक जीना इसलिए संभव हुआ, क्योंकि परिवार के तौर पर आप सभी एक-दूसरे को मजबूती से थामे रहे।'

फंडा यह है कि कैंसर सिर्फ मरीज के शरीर ही नहीं, बल्कि जीवन के हर पहलू को प्रभावित करता है। इसका असर परिजनों के जीवन पर भी पड़ता है। परिजनों को याद रखना चाहिए कि डायग्नोसिस के बाद भी एक जीवन है। ऐसी बीमारी से लड़ते हुए भी सुकून, हिम्मत और उम्मीद पाने के कई रास्ते होते हैं।

जोनाथन का जीनोम खोलेगा लंबी उम्र का राज

मुकुल व्यास

शोधकर्ताओं ने 194 वर्षीय जोनाथन में 287 ऐसे खास जीन वेरिएंट की पहचान की है, जो उम्र बढ़ने के सामान्य प्रभावों को कम करते हैं। ये वेरिएंट क्षतिग्रस्त डीएनए की मरम्मत, सूजन को कम करने, इंसुलिन को नियंत्रित करने और कैंसर को रोकने जैसी प्रक्रियाओं में भूमिका निभाते हैं।

कछुए धरती पर सबसे लंबी उम्र वाले जीवों में गिने जाते हैं। दुनिया के कुछ द्वीपों में रहने वाले विशाल कछुओं की उम्र 150 साल या उससे भी अधिक हो सकती है। इस समय दुनिया का सबसे उम्रदराज कछुआ दक्षिण अटलांटिक महासागर में स्थित सेंट हेलेना द्वीप पर रह रहा है। जोनाथन नाम के इस विशाल कछुए के डीएनए में बुढ़ापे को रोकने के राज छिपे हुए हैं। इस कछुए में 287 ऐसे अनोखे जीन वेरिएंट पाए गए हैं, जो डीएनए की मरम्मत और बुढ़ापे से लड़ने में मदद करते हैं। वैज्ञानिकों को उम्मीद है कि इनसे इंसानों के इलाज के लिए कुछ अहम सुराग मिल सकते हैं।

जोनाथन जब 1832 में पैदा हुआ था, तब चार्ल्स डार्विन एक युवा खोजकर्ता थे और महारानी विक्टोरिया ने अभी तक गद्दी नहीं संभाली थी। हैरानी की बात यह है कि लगभग दो सदियां बीत जाने के बाद भी जोनाथन जीवित है। वैज्ञानिकों को उसके शरीर में कुछ खास बातें देखने को मिली हैं। 194 साल की अनुमानित उम्र होने के बावजूद जोनाथन के डीएनए में मरम्मत और मेटाबॉलिज्म (चयापचय) को नियंत्रित करने वाले ऐसे आनुवंशिक तंत्र हैं, जो बहुत कम उम्र के कछुओं से काफी मिलते-जुलते हैं।

पिछले 144 सालों से जोनाथन सेंट हेलेना द्वीप पर रह रहा है। वह 1882 में सेशेल्स से सेंट हेलेना के गवर्नर को उपहार के तौर पर दिया गया था। उस समय वह पूरी तरह विकसित हो चुका था और तब से उसने अपनी जिंदगी का अधिकांश समय गवर्नर के निवास 'प्लांटेशन हाउस' के परिसर में घूमते हुए बिताया है।

जोनाथन की लंबी उम्र के पीछे के जैविक कारणों का पता लगाने के लिए अमेरिका की कैलेल नामक संस्था के शोधकर्ताओं ने उसके डीएनए और उसकी गतिविधियों को नियंत्रित करने वाले तंत्र की जांच की। यह संस्था दीर्घायु पर शोध करती है। किसी विशाल कछुए के 'एपिजीनोम' (जीन को चालू या बंद करने वाले स्विच की प्रणाली) की जांच करने वाला यह पहला अध्ययन है। ये स्विच आमतौर पर समय के साथ बदलते रहते हैं, जिससे बुढ़ापा आता है। लेकिन जब शोधकर्ताओं ने जोनाथन के एपिजीनोम की तुलना कम उम्र के विशाल अल्डाबरा कछुओं से की, तो उन्हें डीएनए की मरम्मत और मेटाबॉलिज्म को नियंत्रित करने वाले स्विच में बहुत समान पैटर्न देखने को मिले। अल्डाबरा कछुओं का जीवनकाल 100 से 150 साल के बीच होता है।

इस अध्ययन में शामिल कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिक डॉ. जस्टिन गेरलाक ने बताया कि जोनाथन में ऊर्जा उत्पादन और डीएनए की मरम्मत से जुड़े जीन रेगुलेटर लगभग दो सदियों से बेहद स्थिर बने हुए हैं। शोधकर्ताओं ने 194 वर्षीय जोनाथन में 287 ऐसे खास जीन वेरिएंट की पहचान की है, जो उम्र बढ़ने के सामान्य प्रभावों को कम करते हैं। ये वेरिएंट क्षतिग्रस्त



डीएनए की मरम्मत, सूजन को कम करने, इंसुलिन को नियंत्रित करने और कैंसर को रोकने जैसी प्रक्रियाओं में भूमिका निभाते हैं। डीएनए और एपिजीनोम से मिले नतीजे बताते हैं कि जोनाथन में सुरक्षात्मक आनुवंशिक विशेषताओं और प्रमुख जीनों के नियमन में स्थिरता का अनूठा मेल है।

गेरलाक ने कई दशकों तक विशाल कछुओं के पारिस्थिति की तंत्र और उनके संरक्षण का अध्ययन किया है, लेकिन उनकी असाधारण रूप से लंबी उम्र पर यह उनका पहला शोध है।

गैलापागोस और सेशेल्स द्वीपों के विशाल कछुए उन जानवरों के आखिरी बचे हुए प्रतिनिधि हैं, जिनका कभी दुनिया के कई द्वीपों के पारिस्थितिकी तंत्र में दबदबा हुआ करता था। दुनिया में बहुत कम ऐसे जीव हैं, जो हमें गैलापागोस और सेशेल्स द्वीपों के विशाल कछुओं की तुलना में उम्र बढ़ने की प्रक्रिया के बारे में अधिक जानकारी दे सकते हैं। इस अध्ययन के वरिष्ठ लेखक स्टीफन क्लार्क का कहना है कि प्रकृति ने उम्र बढ़ने की पहेली को पहले ही अद्भुत तरीकों से सुलझा लिया है। जोनाथन का जीनोम (जीनों का संपूर्ण समूह) सेल्युलर रेजिलिएंस यानी कोशिकाओं की सहनशक्ति और जीवटता का खाका प्रस्तुत करता है। शोधकर्ताओं का कहना है कि अच्छे जीन और आनुवंशिक क्षति से बचाव की क्षमता के कारण ही जोनाथन लगभग दो सदियों तक जीवित रह पाया है। वैज्ञानिकों का लक्ष्य इस नई खोज का उपयोग आम लोगों के लिए व्यावहारिक और किफायती इलाज विकसित करने में करना है। बढ़ती उम्र लगभग हर उस पुरानी बीमारी के लिए सबसे बड़ा जोखिम कारक है, जिसका हम सामना करते हैं।

इस बीच, एक अन्य अध्ययन से पता चला है कि इटली के सार्डिनिया द्वीप पर स्थित बोलोटाना नामक पहाड़ी गांव की महिलाएं असाधारण रूप से लंबी उम्र जीती हैं। 'फ्रंटियर्स इन एजिंग' पत्रिका में प्रकाशित अध्ययन के अनुसार, इस गांव में 70 साल की उम्र तक पहुंचने वाली लगभग 13.8 प्रतिशत महिलाएं 100 वर्ष या उससे अधिक आयु तक जीवित रहती हैं। यह दर इटली के राष्ट्रीय औसत की तुलना में काफी अधिक है। वैज्ञानिकों और शोधकर्ताओं ने इस गांव को नए 'ब्लू जोन' के संभावित केंद्र के रूप में पहचाना है।

ब्लू जोन दुनिया के उन विशिष्ट भौगोलिक क्षेत्रों को कहा जाता है, जहां के निवासी सामान्य लोगों की तुलना में अधिक उम्र (अक्सर 100 साल या उससे अधिक) तक जीवित रहते हैं और उनका स्वास्थ्य भी बेहतर रहता है। इसकी अवधारणा को सबसे पहले शोधकर्ता डैन ब्यूटनर ने लोकप्रिय बनाया था। दुनिया में मुख्य रूप से पांच स्थानों को 'ब्लू जोन' के रूप में मान्यता प्राप्त है। ये हैं- ओकिनावा (जापान), सार्डिनिया (इटली), निकोया प्रायद्वीप (कोस्टा रिका), इकारिया (ग्रीस) और लोमा लिंडा (कैलिफोर्निया)। वैज्ञानिकों का कहना है कि शारीरिक सक्रियता दीर्घायु का एक बड़ा कारण हो सकती है। इस गांव के लोग पहाड़ी रास्तों और ढलान वाली गलियों में पैदल चलते हैं, जिससे वे पूरे दिन सक्रिय रहते हैं। दूसरा कारण खान-पान है। इनका पारंपरिक आहार मुख्य रूप से वनस्पति पर आधारित होता है, जिसमें फल, सब्जियां, बीन्स, गेहूं और जैतून का तेल शामिल हैं। तीसरा बड़ा कारण यहां के लोगों का मजबूत सामाजिक जुड़ाव है। परिवार, दोस्तों और समुदाय के साथ मेल-जोल तथा धार्मिक एवं सामाजिक गतिविधियों में भागीदारी इनकी अच्छी सेहत का एक बड़ा राज है। प्राय: हर ब्लू जोन के लोग इसी तरह की जीवनशैली अपनाते हैं। जापान के ओकिनावा में लोग 'हारा हाचि बू' नियम का पालन करते हैं। वे 80 प्रतिशत पेट भरने पर ही खाना बंद कर देते हैं। ये लोग प्रार्थना करने, झपकी लेने या दोस्तों के साथ समय बिताने जैसे तरीकों से तनाव कम रखते हैं।

लेखक विज्ञान मामलों के जानकार हैं।

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाएँ
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
सम्पर्क - शेखर गुप्ता www.onlytds.com 9300755544 - 8878655544

श्रीकंचनपथ
भिलाई-दुर्ग

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन के लिए
संपर्क करे
Mob.-:
9303289950
7987166110

प्रमुख खबरें

मातृ-शक्ति दिवाली मिलन : सुआ गीत का बताया महत्व, लोगों को किया रोजगार के लिए प्रेरित

भिलाई। गोंडवाना समृद्धि समिति महिला प्रभाग, रिसाली ने सेवा जोहार गार्डन, मरोदा सेक्टर में कार्तिक माह के अवसर पर मातृ-शक्ति दिवाली मिलन समारोह मनाया। कार्यक्रम की मुख्यअतिथि प्रगति महिला समाज की अध्यक्ष वेदवती मंडावी ने आदिवासी संस्कृति, परंपराओं, सामाजिक संगठनों की भूमिका और दिवाली पर सुआ गान के महत्व पर विचार रखे। विशिष्ट अतिथि उड़ान की निदेशिका निधि चंद्राकर ने महिला रोजगार और आत्मनिर्भरता पर अपने सुझाव दिए। समारोह में समाज सेवा में अग्रणी भूमिका निभाने वाले कार्यकर्ताओं और चयनित लोगों को प्रतीक चिन्ह देकर सम्मान किया गया। संचालन रश्मि कुरेटी ने और आभार प्रदर्शन ममता नेताम ने किया। इस अवसर पर लोक गायिका रजनी रजक, चंद्रकला ताराम, कामिनी सनीर साहू, सरोज ठाकुर, नमिता नुरुटी, मंजू ठाकुर, ज्योति ध्रुव, शकुंतला ध्रुव, दुलारी ध्रुव, निर्मला उईके, अंजनी ठाकुर, शारदा ध्रुव, अश्लेष मरावी, उमा सिंह, चंद्रकिरण सूर्यवंशी, ललिता नेताम, निर्मला कंगाली, लक्ष्मी नेटी, चमेली छैदइया, संगीता ध्रुव, ललिता ध्रुव, प्यारी ठाकुर, रेणु उईके, वीणा ठाकुर आदि उपस्थित रहीं।

पैरा-आर्म रेसलर श्रीमंत ने रोमानिया में हुई स्पर्धा में जीते दो पदक

भिलाई। अंतरराष्ट्रीय पैरा-आर्मरेसलर श्रीमंत झा ने एक बार फिर वैश्विक मंच पर देश और प्रदेश का मान बढ़ाया है। 19 से 23 नवंबर 2026 तक आयोजित अंतरराष्ट्रीय पैरा- आर्मरेसलिंग स्पर्धा के कड़े +75 किलोग्राम वर्ग में श्रीमंत ने दमदार प्रदर्शन करते हुए भारत के लिए पदक जीते। इस सफलता के साथ ही श्रीमंत के नाम अब कुल 71 अंतरराष्ट्रीय पदक दर्ज हो गए हैं। श्रीमंत ने अपनी इस जीत को देश के शहीद जवानों और छत्तीसगढ़ के बस्तर, सुकमा व दंतेवाड़ा जैसे दूरस्थ अंचलों के युवाओं और बच्चों को समर्पित किया है।

कलार समाज दुर्ग मंडल ने सहस्त्रार्जुन देव का जन्मोत्सव मनाया

भिलाई। दुर्ग के राजीव नगर स्थित सिन्हा सामाजिक भवन में छत्तीसगढ़ कलार समाज दुर्ग मंडल ने सत्यनारायण स्वामी की कथा-पूजा के साथ इष्टदेव सहस्त्रार्जुन देव का जन्मोत्सव मनाया। कथा के बाद प्रसाद वितरण हुआ और सहस्त्रबाहु अर्जुन देव की प्रतिमा की पूजा-अर्चना की गई। इसके बाद कलश यात्रा व शोभायात्रा निकाली गई। आयोजकों के अनुसार, इसमें 5 वर्ष से 65 वर्ष तक की स्वजातीय महिलाओं ने भाग लिया। यात्रा भवन परिसर से शुरू होकर मठपारा बस्ती, चंडी मंदिर और गयानगर होते हुए वापस राजीव नगर में संपन्न हुई। जानकारी सचिव हीरा सिन्हा ने दी।

साइबर अपराधों की विवेचना होगी आसान, भिलाई में नए साइबर थाना भवन का सीएम ने किया लोकार्पण

33.24 लाख रुपए की लागत से निर्मित साइबर थाना भवन से साइबर अपराधों की रोकथाम एवं विवेचना में मिलेगी मदद

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने मंगलवार को दुर्ग जिले के प्रवास के दौरान सेक्टर-6 भिलाई में महिला थाना के समीप 33.24 लाख रुपए की लागत से नवनिर्मित दुर्ग रेंज के साइबर थाना भवन का लोकार्पण किया। मुख्यमंत्री ने नवीन पुलिस चौकी रूआबांधा का उद्घाटन तथा पुलिस नियंत्रण कक्ष स्थित उन्नत एकलव्य प्रशिक्षण हॉल, परिवार परामर्श केन्द्र के काउंसलिंग कक्ष एवं किलकारी कक्ष का भी लोकार्पण किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने समाज को नशे की समस्या से मुक्त करने के उद्देश्य से पोस्टर विमोचन कर शुभारंभ संकल्प अभियान-नशामुक्ति का भी शुभारंभ किया।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि नवीन साइबर थाना भवन के लोकार्पण से दुर्ग रेंज में साइबर अपराधों की रोकथाम एवं विवेचना के लिए बेहतर सुविधाएं उपलब्ध होंगी। साइबर थाना की स्थापना सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, 2000 एवं बौद्धिक संपदा अधिकारों से संबंधित अपराधों की रोकथाम एवं कार्रवाई के उद्देश्य से की गई है। साइबर थाना का क्षेत्राधिकार दुर्ग रेंज अंतर्गत दुर्ग, बालोद एवं बेमेतरा जिलों तक रहेगा। नवीन भवन से ऑनलाइन धोखाधड़ी, साइबर ठगी एवं अन्य साइबर अपराधों की जांच, अपराधियों की पहचान तथा पीड़ितों को त्वरित सहायता उपलब्ध कराने में पुलिस को मदद मिलेगी।



परिवार परामर्श केन्द्र के काउंसलिंग कक्ष का भी किया लोकार्पण

मुख्यमंत्री ने पुलिस नियंत्रण कक्ष सेक्टर-6 भिलाई में सीएसआर मद से 15 लाख रुपए की लागत से उन्नत किए गए एकलव्य प्रशिक्षण हॉल तथा जिला खनिज संस्थान न्यास मद से 10 लाख रूपए की लागत से निर्मित परिवार परामर्श केन्द्र के काउंसलिंग कक्ष एवं किलकारी कक्ष का भी लोकार्पण किया। एकलव्य प्रशिक्षण हॉल के उन्नयन से पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों के प्रशिक्षण के लिए बेहतर सुविधाएं उपलब्ध होंगी। वहीं परिवार परामर्श केन्द्र में काउंसलिंग कक्ष एवं किलकारी कक्ष की सुविधा से पारिवारिक समस्याओं के निराकरण तथा महिलाओं एवं बच्चों के लिए अनुकूल वातावरण उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी। नवीन पुलिस चौकी रूआबांधा के प्रारंभ होने से क्षेत्र में कानून व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने तथा आम नागरिकों को पुलिस सेवाएं सहजता से उपलब्ध कराने में सहायता मिलेगी।

संकल्प अभियान-नशामुक्ति के माध्यम से समाज में नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने तथा युवा पीढ़ी को नशे से दूर रखने की दिशा में कार्य किया जाएगा। पुलिस अधोसंरचना के विस्तार एवं जनजागरूकता अभियान से जनसुरक्षा तथा बेहतर पुलिसिंग को बढ़ावा मिलेगा।

इस अवसर परइस अवसर पर उप मुख्यमंत्री अरूण साव, स्कूल शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव, विधायक दुर्ग ग्रामीण ललित चन्द्राकर, राज्यसभा सांसद लक्ष्मी वर्मा, विधायक रिकेश सेन, क्रेडा के अध्यक्ष भूपेन्द्र सवन्नी, पूर्व विस अध्यक्ष प्रेम प्रकाश पांडेय, संभाग आयुक्त सत्यनारायण राठौर, आईजी अभिषेक शांडिल्य, कलेक्टर अभिजीत सिंह, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक विजय अग्रवाल जीवन आनंद फाउंडेशन के अध्यक्ष विनोद सिंह सहित बड़ी संख्या में सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि एवं पुलिस विभाग के अधिकारी उपस्थित थे।

गुरू नानक देव जी के प्रकाश पर्व समारोह में शामिल हुए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय



मुख्यमंत्री विष्णु देव साय मंगल गुरु नानक देव जी की जयंती के अवसर पर गुरूद्वारा श्री सिंगसभा सेक्टर 6 भिलाई में आयोजित प्रकाश पर्व समारोह में शामिल हुए। मुख्यमंत्री ने गुरूद्वारा में मत्था टेका तथा पवित्र श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी के समक्ष शीश नवाकर छत्तीसगढ़ की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने श्रद्धाभाव से लंगर में शामिल होकर प्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री अरूण साव ने भी गुरूद्वारा में मत्था टेका और लंगर में प्रसाद ग्रहण किया।

मुख्यमंत्री साय ने प्रकाश पर्व समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि आज हम सभी गुरु नानक देव जी की जयंती मनाने के लिए यहां एकत्रित हुए हैं। यह हम सभी के लिए बड़े सौभाग्य का विषय है कि इस पावन अवसर पर पवित्र श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी के समक्ष शीश नवाने का अवसर प्राप्त हुआ है। उन्होंने कहा कि गुरू नानक देव जी की जयंती को हम सभी प्रकाश पर्व के रूप में मनाते हैं। मुख्यमंत्री ने सिख समाज के संतजनों, समाज के सभी बंधुओं, माताओं-बहनों एवं युवा साथियों को प्रकाश पर्व की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि सिख समाज का आशीर्वाद एवं मार्गदर्शन हम सभी को निरंतर मिलता रहे।

श्री राम कथा स्थल पहुंचे मुख्यमंत्री साय, संत श्री चिन्मयानंद बापू से लिया आशीर्वाद

भिलाई। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय आज इस्पात नगरी भिलाई के सेक्टर-2 में आयोजित श्री राम कथा में शामिल हुए। मुख्यमंत्री ने व्यासपीठ को नमन कर विश्वविख्यात कथाव्यास पूज्य संत श्री चिन्मयानंद बापू जी से आशीर्वाद लिया तथा श्रद्धालुओं के साथ बैठकर भक्तिभाव से श्री राम कथा का रसपान किया। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर प्रदेशवासियों को कार्तिक पूर्णिमा एवं गुरू नानक देव जी की जयंती प्रकाश पर्व की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी। उन्होंने माता कौशल्या की जन्मभूमि एवं प्रभु श्रीराम के ननिहाल छत्तीसगढ़ में पूज्य संत श्री चिन्मयानंद बापू जी का समस्त प्रदेशवासियों की ओर से स्वागत एवं अभिनंदन किया। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री श्री अरूण साव उपस्थित थे।



मुख्यमंत्री श्री साय ने श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि इस्पात नगरी भिलाई में विगत आठ दिनों से श्री राम कथा का आयोजन किया जा रहा है। पूज्य बापू जी के श्रीमुख से श्री राम कथा का रसपान करने का अवसर मिलना हम सभी के लिए सौभाग्य का विषय है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ का प्रभु श्रीराम से गहरा आध्यात्मिक एवं भावनात्मक संबंध है। प्रभु श्रीराम ने अपने वनवास काल का अधिकांश समय छत्तीसगढ़ में व्यतीत किया है। प्रदेश में अनेक ऐसे पवित्र स्थल हैं, जो प्रभु श्रीराम के वनवास काल की स्मृतियों से जुड़े हुए हैं। राजिम के त्रिवेणी संगम में स्थित कुलेश्वर महादेव मंदिर के संबंध में मान्यता है कि प्रभु श्रीराम एवं माता सीता ने अपने करकमलों से शिवलिंग की स्थापना की थी। चंदखुरी में माता कौशल्या का मंदिर स्थित है। राम वन गमन पथ से जुड़े अनेक स्थल छत्तीसगढ़ की समृद्ध धार्मिक एवं सांस्कृतिक विरासत के प्रतीक हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अयोध्या में प्रभु श्रीराम भव्य मंदिर में विराजमान हुए हैं। यह छत्तीसगढ़वासियों के लिए विशेष हर्ष एवं गौरव का विषय है, क्योंकि छत्तीसगढ़वासी प्रभु श्रीराम को अपना भांजा मानते हैं। राज्य शासन द्वारा प्रदेश के श्रद्धालुओं को अयोध्या में प्रभु श्रीराम के दर्शन कराने के लिए श्री रामलला दर्शन योजना संचालित की जा रही है। योजना के अंतर्गत अब तक 55 हजार से अधिक श्रद्धालु लाभान्वित हो चुके हैं। प्रत्येक सप्ताह अम्बिकापुर, बिलासपुर, रायपुर एवं दुर्ग से विशेष ट्रेन के माध्यम से लगभग 850 श्रद्धालुओं को अयोध्या ले जाकर श्री रामलला के दर्शन कराए जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री श्री साय ने अपने विधानसभा क्षेत्र कुनकुरी में पूर्व में आयोजित श्री राम कथा का स्मरण करते हुए कहा कि पूज्य संत श्री चिन्मयानंद बापू जी का स्नेह एवं आशीर्वाद निरंतर छत्तीसगढ़ को प्राप्त हो रहा है। उन्होंने जनवरी 2027 में रायपुर में आयोजित होने वाली श्री राम कथा में शामिल होने के लिए श्रद्धालुओं को आमंत्रित किया। उन्होंने कहा कि इस आयोजन के माध्यम से बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं को श्री राम कथा के श्रवण का सौभाग्य प्राप्त हुआ है। मुख्यमंत्री ने प्रभु श्रीराम एवं माता सीता से सभी के सुख, समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की।

अखंड हरि नाम संकीर्तन : 5 हजार से अधिक श्रद्धालुओं ने लिया महाप्रसाद

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेक्टर-4 स्थित जगन्नाथ मंदिर में कार्तिक पूर्णिमा का पावन पर्व अत्यंत श्रद्धा, भक्ति और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस महापर्व पर आयोजित विशाल भंडारे में आस्था का जनसैलाब उमड़ पड़ा और देर शाम तक पांच हजार से अधिक श्रद्धालुओं ने पंक्तिबद्ध होकर महाभोग प्रसाद ग्रहण किया। दिनभर चले धार्मिक अनुष्ठानों और अखंड हरि नाम संकीर्तन से पूरा सेक्टर 4 क्षेत्र जगन्नाथमय हो उठा। उत्सव की शुरुआत प्रात: 7.30 बजे पारंपरिक गंगा आवाहन के साथ हुई। फिर पं. पितवास पाढ़ी ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ कार्तिक पूर्णिमा की संपूर्ण पूजा विधि संपन्न कराई।



विधिवत पूजा-अर्चना के तुरंत बाद अखंड हरि नाम संकीर्तन शुरू हुआ। इसे सफल बनाने में संस्था के अध्यक्ष वीरेंद्र सतपथी, महासचिव सत्यवान नायक, त्रिनाथ साहू, भीम स्वांई, बसंत प्रधान, बीसी बिस्वाल, अनाम नाहक, डी. त्रिनाथ, वृंदावन स्वांई, निरंजन महाराणा, लखन बिस्वाल, प्रकाश स्वांई, कैलाश पात्रो, प्रकाश दास, कालू बेहेरा, रंजन महापात्र, रवि स्वांई, कवि बिस्वाल, सीमांचल बेहेरा, रविंद्र कुमार महाकुड़, बीस केशन साहू, सुशांत सतपथी और श्याम दलाई का योगदान रहा।

ओडिशा के कीर्तन दल ने बिखेरी भक्ति की छटा संकीर्तन के दौरान मंदिर के सदस्यों, स्थानीय मंडलियों और श्रद्धालुओं ने ढोल-मंजीरों की थाप पर नृत्य करते हुए मंदिर की परिक्रमा की। भक्तों के मुख से गूंजते हरे कृष्ण, हरे कृष्ण, कृष्ण कृष्ण हरे हरे, हरे राम, हरे राम, राम राम हरे हरे के महामंत्र से संपूर्ण परिसर गुंजायमान हो गया। महोत्सव का मुख्य आकर्षण ओडिशा से विशेष रूप से आमंत्रित कीर्तन दल रहा, जिसने अपने पारंपरिक नृत्य और भावपूर्ण नाम संकीर्तन से उपस्थित जनसमूह को मंत्रमुग्ध कर दिया।

भिलाई में जरूरतमंदों को वरिष्ठजन कल्याण महा संघ ने ठंड से बचने के लिए 600 बांटे गर्म कपड़े

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। वरिष्ठजन कल्याण महासंघ ने वस्त्र दान अभियान चलाकर जरूरतमंदों को ठंड से बचाव के लिए ऊनी कपड़े, कंबल, स्वेटर, जैकेट सहित अन्य वस्त्र और फल भेंट किए। अध्यक्ष घनश्याम कुमार देवांगन और अभियान प्रभारी दिनेश कुमार गुप्ता के नेतृत्व में जनसहयोग से 600 से अधिक नए व उपयोगी वस्त्र जुटाए गए और अलग-अलग स्थानों पर जरूरतमंदों तक सम्मानपूर्वक पहुंचाए गए। अभियान की शुरुआत कार्तिक पूर्णिमा और देव दिवाली के अवसर पर रामशीला की कुटिया वृद्धाश्रम, जुनवानी से हुई।

बाद में आस्था वृद्धाश्रम, विभिन्न मंदिर परिसरों, सड़क किनारे और चौक-चौराहों पर भी वितरण किया गया। वृद्धाश्रमों में बुजुर्गों ने वस्त्र पाकर प्रसन्नता जताई और दानदाताओं को आशीर्वाद दिया। डॉ. महेशचंद्र शर्मा ने इसे पुण्य कार्य बताया, जबकि डॉ. डीपी देशमुख ने कहा कि भारतीय संस्कृति में वस्त्र दान महादान माना गया है। हमारी संस्था द्वारा प्रतिवर्ष जरूरतमंदों को गर्म कपड़े दिए जाते हैं। यही नहीं समय समय पर महासंघ समाज सेवा के कार्य करता है जिसमें हमारे संघ से जुड़े सदस्यों द्वारा आर्थिक मदद की जाती है। हर वर्ष की इस वर्ष भी महासंघ द्वारा जरूरतमंदों को गर्म कपड़े देकर उनकी सहायता की गई।

छत्तीसगढ़ की प्रतिभा ने राष्ट्रीय स्तर पर बढ़ाया प्रदेश का मान, वास्तुकला के क्षेत्र में हासिल की ऐतिहासिक उपलब्धि

नम्रता नायक को मिला 2026 का 'यंग आर्किटेक्ट ऑफ द ईयर अवॉर्ड

■ यह प्रतिष्ठित सम्मान प्राप्त करने वाली छत्तीसगढ़ की पहली महिला वास्तुकार बनीं

श्रीकंचनपथ न्यूज



भिलाई। छत्तीसगढ़ के लिए यह अत्यंत गौरव और हर्ष का विषय है कि प्रदेश की युवा एवं प्रतिभाशाली वास्तुकार (आर्किटेक्ट) नम्रता नायक को इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ आर्किटेक्ट्स (IIA) द्वारा प्रतिष्ठित 'यंग आर्किटेक्ट ऑफ द ईयर अवॉर्ड 2026' से सम्मानित किया गया है। बेंगलुरु में आयोजित प्रतिष्ठित यंग आर्किटेक्ट्स फेस्ट (YAF 2026) के दौरान उन्हें यह सम्मान प्रदान किया गया।

इस उपलब्धि के साथ नम्रता नायक छत्तीसगढ़ की पहली महिला वास्तुकार बन गई हैं, जिन्हें इस प्रतिष्ठित सम्मान से नवाजा गया है। उनकी यह सफलता न केवल उनके व्यक्तिगत परिश्रम, प्रतिभा और पेशेवर उत्कृष्टता का प्रमाण है, बल्कि पूरे छत्तीसगढ़ के लिए गौरव का क्षण है। उन्होंने अपनी उपलब्धि से प्रदेश का नाम राष्ट्रीय स्तर पर रोशन किया है। नम्रता नायक ने नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (NIT), रायपुर से बैचलर ऑफ आर्किटेक्चर की शिक्षा प्राप्त की है। वर्तमान में वे हरू,ह्यह्यश्षष्ठड्डह्लद्गह्य में प्रिंसिपल आर्किटेक्ट के रूप में अपनी सेवाएं दे रही हैं। वास्तुकला के क्षेत्र में उनकी विशेष रुचि सतत विकास (Sustainable Architecture), पर्यावरण-अनुकूल डिजाइन तथा समावेशी वास्तुकला (niversal Design) में है।

उनकी कार्यशैली में आधुनिकता के साथ पर्यावरण संरक्षण, सामाजिक उपयोगिता और भविष्य की आवश्यकताओं को विशेष महत्व दिया जाता है। वास्तुकला को केवल भवन निर्माण तक सीमित न रखते हुए उसे बेहतर जीवनशैली, पर्यावरण संतुलन और समाज के सभी वर्गों के लिए उपयोगी बनाने की उनकी सोच उन्हें एक अलग पहचान प्रदान करती है।

नम्रता नायक की यह उपलब्धि प्रदेश की युवा प्रतिभाओं, विशेषकर वास्तुकला एवं डिजाइन के क्षेत्र में अपना भविष्य बनाने वाली बेटियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगी। यह सफलता साबित करती है कि दृढ़ संकल्प, निरंतर मेहनत और अपनी प्रतिभा पर विश्वास के बल पर राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान बनाई जा सकती है।

नम्रता नायक की इस गौरवशाली उपलब्धि पर पूरे छत्तीसगढ़ को गर्व है। उनकी यह सफलता प्रदेश की प्रतिभा, महिला सशक्तिकरण और नए भारत की रचनात्मक सोच का प्रेरक उदाहरण है। इस गौरवशाली उपलब्धि के लिए संत निरंकारी मिशन भिलाई संयोजक श्री सतपाल सैनी,जामुल निरंकारी मिशन के मुखी श्री पंचराम साहू,डॉ सुंदर लाल वर्मा व जामुल के सभी निरंकारी जगत ने बधाई दी है। यह जानकारी सहायक जनसंपर्क अधिकारी शंकर सचदेव ने दी।

Since 1972
CROWN®-TV
Choice Of Millions
LED / Washing Machine
Cooler / Fridge
Available All Size
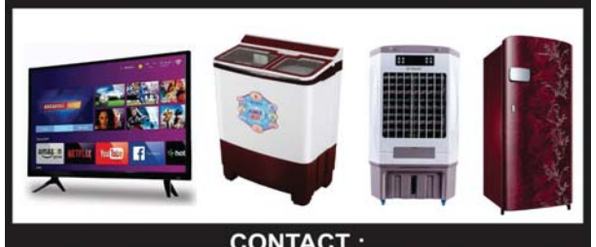
CONTACT :
Atlas Radio Traders (Crown)
Sect.-3, D-48, Ward No. 13
Devendra Nagar, Raipur (C.G.) 492009
Near Akash Gas Agency Line
Mob.: 98262 52372

खास खबर

नोडल अधिकारी अपने-अपने धान खरीदी केंद्रों का निरीक्षण करें और कार्यालय में रिपोर्ट प्रस्तुत करें - कलेक्टर

खैरागढ़। कलेक्टर इंद्रजीत सिंह चंद्रवाल ने कलेक्टोरेट सभाकक्ष में आयोजित साप्ताहिक समय-सीमा की बैठक में धान खरीदी व्यवस्था की समीक्षा की। उन्होंने नोडल अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे अपने-अपने आवंटित धान उपार्जन केंद्रों का निरीक्षण करें और निरीक्षण रिपोर्ट कार्यालय में प्रस्तुत करें। उन्होंने कहा कि निरीक्षण के दौरान अधिकारी किसानों से सीधे बात करें। टोकन लेने से लेकर धान की तौल तक किसी भी चरण में किसानों को कठिनाई हो तो संबंधित विभाग के साथ मिलकर उसका समय पर समाधान करें। कलेक्टर ने सहकारिता, खाद्य और विपणन विभाग के अधिकारियों को केंद्रों पर पर्याप्त बारदाना उपलब्ध रखने तथा टोकन जारी करने और धान की तौल में पारदर्शिता सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने किसानों के लिए पेयजल, छाया और बैठने की व्यवस्था का जायजा लेने तथा खरीदे गए धान के सुरक्षित भंडारण की नियमित निगरानी के निर्देश दिए। कस्टम मिलिंग की समीक्षा करते हुए उन्होंने जिला विपणन अधिकारी और जिला खाद्य अधिकारी को राइस मिलों से चावल जमा कराने के काम में तेजी लाने को कहा। सीएम हेल्पलाइन की समीक्षा के दौरान कलेक्टर ने अधिकारियों से शिकायतें लंबित रहने के कारण पूछे और उनके समयबद्ध निराकरण के निर्देश दिए। नियाद नेल्लानार 2.0 की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने विभागीय अधिकारियों को शासन की प्रमुख योजनाओं और उनसे लाभान्वित हितग्राहियों का अद्यतन विवरण पोर्टल पर दर्ज करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अधिकारी योजनावार विवरण का मिलान करें और शेष प्रविष्टियां पूरी कर शत-प्रतिशत एंट्री सुनिश्चित करें। कलेक्टर ने कहा, शासन की योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राही तक पारदर्शी और समयबद्ध तरीके से पहुंचना चाहिए। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी प्रेम कुमार पटेल, अपर कलेक्टर सुरेंद्र कुमार ठाकुर, एसडीएम अविनाश ठाकुर सहित विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

'आरोग्य से आत्मनिर्भरता' से छत्तीसगढ़ में पीएम स्वनिधि के क्रियान्वयन को मिली राष्ट्रीय पहचान

स्वनिधि सम्मान अवार्ड्स में 'इनोवेशन एंड बेस्ट प्रैक्टिसेस' में राज्य को मिला द्वितीय पुरस्कार

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। पथ विक्रेताओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने के साथ उनके स्वास्थ्य और सामाजिक सुरक्षा को मजबूत करने के छत्तीसगढ़ के प्रयासों को राष्ट्रीय स्तर पर बड़ी पहचान मिली है। प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए छत्तीसगढ़ को विभिन्न श्रेणियों में कुल पांच राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त हुए हैं। राज्य में मुख्यमंत्री स्लम स्वास्थ्य योजना और पीएम स्वनिधि योजना के संयोजन से 'आरोग्य से आत्मनिर्भरता' नवाचार को 'इनोवेशन एंड बेस्ट प्रैक्टिसेस' श्रेणी में देशभर में द्वितीय स्थान मिला है। इस पहल के तहत पथ विक्रेताओं और उनके परिवारों को एक ही स्थान पर निःशुल्क स्वास्थ्य जांच, दवाईयां और ऋण सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है।



नई दिल्ली के डॉ. अंबेडकर इंटरनेशनल सेंटर में भारत सरकार के आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय द्वारा आयोजित स्वनिधि सम्मान पुरस्कार-2026 में केंद्रीय आवासन और शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल और राज्य मंत्री तोखन साहू की उपस्थिति में उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री अरुण साव, प्रमुख सचिव सोनमणि बोरा, संचालक नीलेश महादेव क्षीरसागर तथा राज्य शहरी विकास अभिकरण के उप मुख्य कार्यपालन अधिकारी एवं राज्य नोडल अधिकारी श्री सुनील अग्रहरि ने छत्तीसगढ़ की ओर से यह पुरस्कार ग्रहण किया।

राज्य शहरी विकास अभिकरण के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री सुमीत अग्रवाल ने बताया कि पीएम स्वनिधि योजना के तहत आयोजित ऋण शिविरों में पथ विक्रेताओं की भागीदारी बढ़ाना चुनौती थी। कई पथ विक्रेता इन शिविरों को आवेदन और दस्तावेजी प्रक्रिया तक सीमित मानते थे। इस समस्या के समाधान के लिए छत्तीसगढ़ ने मुख्यमंत्री स्लम स्वास्थ्य योजना की मोबाइल मेडिकल यूनिट को पीएम स्वनिधि के ऋण शिविरों से जोड़ दिया। इसके तहत हेल्थ-कम-लोन कैंप आयोजित किए जाने लगे। इन शिविरों में पथ विक्रेताओं और उनके परिवारों को निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण, 41 प्रकार की जांच और 170 प्रकार की जेनेरिक दवाईयां उपलब्ध कराई गईं।

साथ ही ऋण आवेदन भरने, परिवार की सामाजिक-आर्थिक प्रोफाइलिंग और विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिलाने में भी सहायता की गई। श्री अग्रवाल ने बताया कि स्वास्थ्य सुविधाएं मिलने से शिविरों में पथ विक्रेताओं की भागीदारी में उल्लेखनीय बढ़ोतरी हुई। पहले जहां एक शिविर में 50-60 पथ विक्रेता पहुंचते थे, वहीं मोबाइल मेडिकल यूनिट की मौजूदगी से ये संख्या बढ़कर 120 से 150 तक हो गई। इसी तरह प्रति शिविर ऋण आवेदनों की संख्या 20-25 से बढ़कर 60 से 70 तक पहुंच गई। इस तरह ऋण आवेदनों में लगभग तीन गुना की वृद्धि दर्ज की गई। सितम्बर-2025 से अक्टूबर-2026 के बीच 31 हजार 056 मोबाइल मेडिकल यूनिट शिविरों के माध्यम से 66 हजार 959 पात्र ऋण आवेदन प्राप्त हुए। इनमें से 48 हजार 523 आवेदन स्वीकृत किए गए और 46 हजार 081 पथ विक्रेताओं को कुल 92 करोड़ 93 लाख रुपए का ऋण वितरित किया गया। इसमें 32 हजार 478 प्रथम, 9110 द्वितीय और 4493 तृतीय चरण के ऋण शामिल हैं।

मोबाइल मेडिकल यूनिट के माध्यम से प्राप्त स्वास्थ्य संबंधी आंकड़े बताते हैं कि पथ विक्रेताओं एवं अन्य शहरी नागरिकों में उच्च रक्तचाप और मधुमेह जैसी गैर-संचारी बीमारियों की पहचान एवं नियमित जांच महत्वपूर्ण है। विभाग की यह पहल केवल सामान्य बीमारियों के उपचार तक सीमित नहीं है, बल्कि नियमित स्वास्थ्य परीक्षण और समय पर बीमारी की पहचान के माध्यम से गंभीर बीमारियों की रोकथाम की दिशा में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

इस पहल का एक महत्वपूर्ण उद्देश्य पथ विक्रेताओं को स्वास्थ्य संबंधी आकस्मिक खर्चों से राहत दिलाना भी है। रिपोर्ट के अनुसार निःशुल्क स्वास्थ्य जांच, लैब टेस्ट एवं दवाईयों से प्रत्येक परिवार को प्रतिवर्ष लगभग 5000 से 7000 रुपए तक की बचत हो सकती है। इससे परिवार की आर्थिक स्थिति को सहारा मिलता है और ऋण की किश्तों के नियमित भुगतान में भी मदद मिलती है।

पथ विक्रेताओं के जीवन में बदलाव ला रही पहल

जशपुर के पथ विक्रेता संतोष कुमार इस पहल के फायदे बताते हुए कहते हैं, अब सरकार हमारे द्वार तक आकर हमें दवाईयां और आर्थिक सहायता दोनों उपलब्ध करा रही है। स्वास्थ्य सुविधाओं और आर्थिक सहायता को एक साथ उपलब्ध कराने वाली यह पहल पथ विक्रेताओं के लिए बहुत उपयोगी साबित हो रही है। 'आरोग्य से आत्मनिर्भरता' मॉडल के जरिए नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग और सूडा ने पथ विक्रेताओं को स्वास्थ्य सेवाओं, वित्तीय सहायता और सामाजिक सुरक्षा से जोड़ने की पहल की है। राष्ट्रीय पुरस्कार से इस नवाचार को महत्वपूर्ण पहचान मिली है।

172 नगरीय निकायों में 150 मोबाइल मेडिकल यूनिट से मिल रही स्वास्थ्य सुविधाएं

मुख्यमंत्री स्लम स्वास्थ्य योजना के अंतर्गत प्रदेश के 172 नगरीय निकायों में 150 मोबाइल मेडिकल यूनिट के माध्यम से स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। नवम्बर-2020 से अक्टूबर-2026 तक इन मोबाइल मेडिकल यूनिट्स के जरिए कुल दो लाख तीन हजार 130 स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए गए। इस दौरान 1.41 करोड़ मरीजों का उपचार किया गया, 37.37 लाख लैब टेस्ट हुए और 1.24 करोड़ दवाईयों का वितरण किया गया। पीएम स्वनिधि योजना से मुख्यमंत्री स्लम स्वास्थ्य योजना को जोड़ने से महिला पथ विक्रेताओं की भागीदारी भी 45 प्रतिशत से बढ़कर 68 प्रतिशत तक पहुंची है। निःशुल्क स्वास्थ्य जांच, लैब टेस्ट और दवाईयों से प्रत्येक परिवार को अनुमानित 5000 से 7000 रुपए की वार्षिक बचत हो रही है। इससे परिवारों पर इलाज का आर्थिक बोझ कम होने के साथ दूसरी जरूरतों के लिए भी पैसे बच रहे हैं।

महिलाओं एवं विशेष क्षेत्रों तक भी पहुंच रहीं स्वास्थ्य सेवाएं

महिला स्वास्थ्य को प्राथमिकता देते हुए 17 नगरीय निकायों में 11 दाई-दीदी क्लीनिक मोबाइल मेडिकल यूनिट संचालित हैं। इनके माध्यम से 11 हजार 170 शिविरों में 6.87 लाख मरीजों का उपचार, 1.81 लाख लैब टेस्ट तथा 6.24 लाख दवाईयों का वितरण किया गया है। पीएम स्वनिधि के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित रहे क्षेत्रों में भी स्वास्थ्य एवं ऋण शिविरों के आयोजन के लिए सुरक्षित स्थानों, स्थानीय पुलिस के सहयोग, घर-घर संपर्क तथा स्थानीय भाषाओं में संवाद जैसी व्यवस्थाएं अपनाई गई हैं, जिससे इन क्षेत्रों के पथ विक्रेताओं एवं नागरिकों तक शासकीय सुविधाएं पहुंचाई जा सकें।

प्रकृति संरक्षण के साथ स्थानीय रोजगार को मिलेगा बढ़ावा धरमपानी बनेगा आदर्श पर्यावरण पर्यटन केंद्र

धरमपानी इको रिजॉर्ट के बेहतर संचालन के लिए समिति सदस्यों को दिया गया प्रशिक्षण

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। प्रकृति एवं पर्यावरण संरक्षण के साथ स्थानीय समुदाय के लिए रोजगार और आजीविका के स्थायी अवसर सृजित करने की दिशा में गौरेला पेंड्रा मरवाही जिले के मरवाही वनमंडल द्वारा महत्वपूर्ण पहल की जा रही है। इसी क्रम में मरवाही वनमंडल अंतर्गत गौरेला वन परिक्षेत्र के वन चेतना केंद्र धरमपानी में इको रिजॉर्ट एवं भोजनालय के सुचारू, प्रभावी और सतत संचालन के लिए संचालन समिति के सदस्यों का विशेष प्रशिक्षण आयोजित किया गया।



वनमंडलाधिकारी कुमार निशांत के निर्देशन में आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय अमरकंटक के पर्यटन प्रबंधन विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. प्रशांत कुमार एवं दो सहायक प्राध्यापकों ने समिति के सदस्यों को पर्यटन प्रबंधन और आतिथ्य सत्कार से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां दीं। प्रशिक्षण के दौरान पर्यावरण पर्यटन के माध्यम से स्थानीय समुदाय के लिए आय एवं रोजगार के अवसर सृजित करने, पर्यटकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने तथा रिजॉर्ट के व्यवस्थित संचालन के विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की गई। विशेषज्ञों ने समिति के सदस्यों को साफ-सफाई, लेखा प्रबंधन, आतिथ्य सत्कार, पर्यटकों के साथ व्यवहार एवं संवाद कौशल के संबंध में प्रशिक्षण दिया। इसके साथ ही सदस्यों की कार्यक्षमता और प्रबंधन कौशल को विकसित करने पर विशेष जोर दिया गया।

वनमंडलाधिकारी कुमार निशांत ने अपने अनुभव साझा करते हुए इको रिजॉर्ट के सफल संचालन में स्थानीय समुदाय की सक्रिय भागीदारी, पारदर्शिता, जिम्मेदारी एवं आपसी समन्वय के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने प्रकृति एवं पर्यावरण संरक्षण को ध्यान में रखते हुए रिजॉर्ट के दीर्घकालिक और सतत संचालन के संबंध में आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान किया। समिति के सदस्यों की प्रबंधन एवं तकनीकी दक्षता को और बेहतर बनाने के उद्देश्य से आगामी समय में इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय अमरकंटक में 10 दिवसीय विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने की भी योजना बनाई गई है। इस दौरान सदस्यों को पर्यावरण पर्यटन प्रबंधन, आतिथ्य सत्कार, साफ-सफाई, लेखा प्रबंधन, पर्यटक प्रबंधन एवं स्वरोजगार से संबंधित विषयों का विस्तृत एवं व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जाएगा।

इस पहल का मुख्य उद्देश्य स्थानीय समुदाय की सक्रिय सहभागिता से धरमपानी इको रिजॉर्ट को आत्मनिर्भर, सुव्यवस्थित एवं आदर्श पर्यावरण पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित करना है। इससे जहां पर्यटकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध होंगी, वहीं स्थानीय लोगों के लिए रोजगार एवं स्वरोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे। प्रकृति संरक्षण और सामुदायिक सहभागिता पर आधारित यह पहल स्थानीय अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ बनाने में भी सहायक होगी।

इस अवसर पर वनमंडलाधिकारी कुमार निशांत, गौरेला वन परिक्षेत्र अधिकारी, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय अमरकंटक के विषय विशेषज्ञ एवं वन प्रबंधन समिति आमानाला के सदस्य उपस्थित रहे।

30 राज्यों-केंद्रशासित प्रदेशों के 250 खिलाड़ी दिखाएंगे दम उप मुख्यमंत्री साव ने राष्ट्रीय प्रतियोगिता का किया शुभारंभ

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। उप मुख्यमंत्री तथा खेल एवं युवा कल्याण मंत्री अरुण साव ने आज राजधानी रायपुर के मोवा स्थित आईस्पोर्ट्ज़ बैडमिंटन एरिना में छत्तीसगढ़ बैडमिंटन एसोसिएशन द्वारा आयोजित 5वीं मिनी राष्ट्रीय बैडमिंटन स्पर्धा का शुभारंभ किया। चार दिवसीय राष्ट्रीय प्रतियोगिता में देश के 30 राज्यों और केन्द्रशासित प्रदेशों के 250 खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं। प्रतियोगिता का शुभारंभ करते हुए साव ने सभी खिलाड़ियों से व्यक्तिगत परिचय प्राप्त किया और उनसे खेल से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा की। उन्होंने खिलाड़ियों को उत्कृष्ट प्रदर्शन और उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी।



उप मुख्यमंत्री साव ने कहा कि बैडमिंटन केवल शारीरिक क्षमता का खेल नहीं है, बल्कि इसमें धैर्य, चपलता, तेज नजर, पैरों की फुर्ती और तुरंत निर्णय लेने की क्षमता भी जरूरी होती है। इस खेल में प्रत्येक खिलाड़ी को पूरे अनुशासन और एकाग्रता के साथ खेलना पड़ता है। खेल के मैदान में मिलने वाली सीख जीवन में भी सफलता हासिल करने में सहायक होती है।

उन्होंने कहा कि ऐसी राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं से खिलाड़ियों को देशभर के प्रतिभाशाली खिलाड़ियों के साथ खेलने और उनसे सीखने का अवसर मिलता है। यहां से खिलाड़ी नए अनुभव और बेहतर सीख लेकर जाएंगे।

श्री साव ने कहा कि छत्तीसगढ़ में खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने और खिलाड़ियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए राज्य सरकार लगातार काम कर रही है। प्रदेश में खेल अधोसंरचना का विस्तार किया जा रहा है। इसी कड़ी में साय सरकार ने बैडमिंटन स्टेडियम के निर्माण के लिए स्वीकृति प्रदान की है। हमारा प्रयास है कि छत्तीसगढ़ के खिलाड़ियों को अभ्यास और प्रतियोगिताओं के लिए बेहतर सुविधाएं मिले और वे राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाएं। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ के खिलाड़ी अब अंतरराष्ट्रीय मंच पर भी अपनी प्रतिभा का परचम लहरा रहे हैं। हाल ही में एशियन पैरा गेम्स-2026 में प्रदेश के अभिजीत सखूजा ने पैरा बैडमिंटन में कांस्य पदक जीतकर देश और छत्तीसगढ़ का मान बढ़ाया है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने उनकी इस उपलब्धि पर 31 लाख रुपए की प्रोत्साहन राशि देने की घोषणा की है। यह खिलाड़ियों की मेहनत और प्रतिभा को प्रोत्साहित करने की दिशा में साय सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

दुर्ग कलेक्टर सभागार में मछुआ समाज की संयुक्त बैठक आयोजित

मछुआरों को जाल एवं आइस बॉक्स का किया वितरण

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। दुर्ग कलेक्टर सभागार में मछुआ सोसायटी, मछुआ समिति एवं मछुआ परिषद के पदाधिकारियों और सदस्यों की संयुक्त बैठक आयोजित की गई। बैठक में मछुआरा समाज के हितों, पारंपरिक अधिकारों, विभिन्न समस्याओं तथा आर्थिक विकास से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। इस अवसर पर मछुआरों को उनकी आजीविका और कार्य में सहयोग प्रदान करने के उद्देश्य से जाल एवं आइस बॉक्स का वितरण भी किया गया।



बैठक का मुख्य उद्देश्य मछुआ समाज की समस्याओं को सामने लाना, उनके पारंपरिक अधिकारों के संरक्षण पर चर्चा करना तथा समाज के आर्थिक एवं सामाजिक विकास के लिए सकारात्मक पहल करना रहा। बैठक में उपस्थित पदाधिकारियों और सदस्यों ने मछुआरों की वर्तमान परिस्थितियों, उनके सामने आने वाली चुनौतियों और उनके समाधान से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर अपने विचार रखे।

इस दौरान मछुआ समाज के सर्वांगीण विकास, युवाओं की सक्रिय भागीदारी तथा समाज के लोगों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने पर विशेष जोर दिया गया।

वक्ताओं ने कहा कि समाज के विकास के लिए सभी संगठनों और पदाधिकारियों के बीच आपसी समन्वय एवं सहयोग आवश्यक है।

मछुआरों की समस्याओं का उचित समाधान सुनिश्चित करने और उनके हितों की रक्षा के लिए सामूहिक प्रयास किए जाने चाहिए। बैठक में मछुआरों को जाल एवं आइस बॉक्स वितरित किए जाने को एक महत्वपूर्ण पहल बताया गया। इससे मछुआरों को अपने पारंपरिक कार्यों में सहयोग मिलने के साथ-साथ मछली के सुरक्षित रखरखाव में भी सहायता मिल सकेगी। मछुआ समाज के हित में इस प्रकार की पहल से उनकी आजीविका को बेहतर बनाने और आर्थिक स्थिति को मजबूत करने में मदद मिलने की उम्मीद जताई गई।

बैठक के दौरान समाज के युवाओं को आगे आकर संगठनात्मक गतिविधियों में भाग लेने तथा समाज की समस्याओं के समाधान में अपनी भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया गया। साथ ही मछुआ समाज के पारंपरिक अधिकारों, सामाजिक सम्मान और आर्थिक उन्नति को लेकर एकजुट होकर कार्य करने की आवश्यकता पर बल दिया गया। इस अवसर पर मछुआ कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष आनंद निषाद, सदस्य नेतराम निषाद, मछुआ सोसायटी परिषद अध्यक्ष केजु राम निषाद, मछुआ प्रकोष्ठ अध्यक्ष शिव कुमार निषाद, निषाद समाज प्रदेश संगठन सचिव ईश्वर निषाद, व्यापार प्रकोष्ठ अध्यक्ष कुशल मटियार, चरौदा भिलाई परिक्षेत्र अध्यक्ष अशोक निषाद, ढीमर समाज युवा अध्यक्ष कमलेश फेकर तथा मछुआ संघ समिति प्रदेश प्रभाग मंत्री बिरेंद्र कुमार निषाद सहित अनेक पदाधिकारी एवं समाज के गणमान्यजन उपस्थित रहे।

संयुक्त बैठक में मछुआ समाज के हितों को प्राथमिकता देते हुए उनके सामाजिक, आर्थिक एवं संगठनात्मक विकास के लिए सकारात्मक पहल करने पर सहमति व्यक्त की गई। उपस्थित पदाधिकारियों ने समाज की एकजुटता बनाए रखने और मछुआरों की समस्याओं के निराकरण के लिए निरंतर प्रयास करने पर जोर दिया।







'मैं कंफर्टेबल नहीं..'

फिल्म 'पेद्दी' के विवाद पर बोलीं श्रुति हासन कपड़ों को लेकर कही बड़ी बात

'पेद्दी' की रिलीज के बाद से फिल्म में अभिनेत्री जाह्नवी कपूर के सीन फिल्माये जाने पर काफी विवाद हुआ था। इसी फिल्म के एक डांस नंबर श्रुति हासन, राम चरण और जाह्नवी कपूर थे। अब कमल हासन की बेटी ने खुलासा किया है कि उन्होंने फिल्म में विशेष भूमिका निभाने के लिए रजामंद क्यों हुई।

एक्ट्रेस ने असहजता पर क्या कहा?

अभिनेत्री श्रुति हासन ने डांस और उसमें खुद को फिल्माये जाने पर गलाटा प्लस से बात की। उन्होंने कहा, 'मैंने हमेशा यह सवाल पूछा है कि फिल्मों में विशेष डांस सीन्स की क्या जरूरत होती है। मुझे नृत्य करना पसंद है, मैं यह बात बिल्कुल स्पष्ट कर देना चाहती हूं। मुझे सजने-संवरने में भी आनंद आता है। और यही मेरा नजरिया है। विशेष सीन्स के प्रति मेरा दृष्टिकोण मेरे लिए बहुत ही आसान रहा है।

मैं कभी भी किसी भी रूप में किसी की चापलूसी करने वाली नहीं रही हूं। इसलिए, जब मुझे किसी चीज से असहजता होती है, तो मैं कह देती हूं कि मैं इसे नहीं पहनूंगी। अगर मुझे असहजता होती है, तो मैं वह नहीं करूंगी। इस बारे में मेरी बहस भी हुई है। इस वजह से मेरी आलोचना भी हुई है। मगर मुझे इससे कोई फर्क नहीं पड़ता।'

एक्ट्रेस महिलाओं के चित्रण पर क्या कहा?

अपनी बातचीत में आगे श्रुति हासन ने कहा, मैं इस विषय पर हो रही चर्चा को समझती हूं। लेकिन सच कहूं तो, मेरा नजरिया यह है। मुझे डांस करने में आता है, मुझे कोरियोग्राफी करने में मजा आता है, मुझे बोल्ड दिखने में मजा आता है। यह किसी तरह की चापलूसी भरी नजर से नहीं है। क्या यह सिर्फ आइटम सॉन्ग में ही होता है? मेरा मतलब है, हम कई तरह से चापलूसी कर सकते हैं। सिर्फ आइटम सॉन्ग में छोटे कपड़े पहनने से ही नहीं। हम आजकल एक ऐसी दुनिया में जी रहे हैं जहां हर तरफ चापलूसी ही है। तो आप अपनी पसंद के अनुसार चापलूसी करें या न करें।'

जान्हवी ने 'पेद्दी' विवाद पर क्या कहा?

बीते दिनों अभिनेत्री जान्हवी कपूर 'कॉफी विद करण' में महमान बनकर पहुंची थीं। वहां उन्होंने 'पेद्दी' विवाद पर अपना रिएक्शन दिया। उन्होंने कहा, 'इस तरह की कहानी का हमारे समाज पर पड़ने वाले नकारात्मक प्रभाव को देखकर मेरी मन को गहरा दुख होता है। यह शर्मिंदगी मैं हमेशा अपने साथ रखूंगी। क्या मैं और कुछ कर सकती थी? क्या मैं और सतर्क हो सकती थी? बिल्कुल हां। क्या इसने महिलाओं को गलत तरह दिखाया? हां। लेकिन मैं सिर्फ इतना कर सकती हूं कि यह ध्यान रखूंगी कि ऐसा दोबारा न हो।'

'प्यार का पंचनामा 2' के ऑडिशन में हुई रिजेक्ट, ऐसे बनी फिल्मों की लीड शरवरी



शरवरी हाल ही में होस्ट माधुरी दीक्षित के क्विज रियलिटी शो 'कोण होणार करोड़पति' में पहुंची थीं। यहां उन्होंने बताया कि किस तरह फिल्मों में बतौर अभिनेत्री काम करने का सपना लेकर आईं शरवरी ने असिस्टेंट डायरेक्टर के तौर पर अपने करियर की शुरुआत की।

'प्यार का पंचनामा 2' के ऑडिशन में हुई थीं रिजेक्ट

माधुरी दीक्षित से बातचीत के दौरान शरवरी ने बताया कि उन्होंने शुरुआत में अभिनेत्री बनने के लिए फिल्म 'प्यार का पंचनामा 2' का ऑडिशन दिया था।

इस बारे में बात करते हुए शरवरी ने कहा, 'मुझे याद है कि मैं 'प्यार का पंचनामा 2' के लिए ऑडिशन देने गई थी, लेकिन मेरा सिलेक्शन नहीं हुआ। इसके बाद मैंने उनसे पूछा कि क्या मैं असिस्टेंट डायरेक्टर बन सकती हूं? इसे डायरेक्टर का असिस्टेंट भी कहते हैं। उन्होंने मुझसे पूछा कि क्या मुझे कोई काम आता है? मैंने कहा कि नहीं, मुझे कुछ भी नहीं आता। इसके बावजूद उन्होंने मुझे काम दिया और सब कुछ सिखाया।'

तीन फिल्मों में असिस्टेंट डायरेक्टर के तौर पर किया काम

शरवरी ने बताया कि लव रंजन से मिला यह मौका उनके करियर के लिए काफी अहम साबित हुआ। उन्होंने अपने शुरुआती दिनों में तीन फिल्मों में असिस्टेंट डायरेक्टर के तौर पर काम किया। इनमें 'प्यार का पंचनामा 2', संजय लीला भंसाली की 'बाजीराव मस्तानी' और लव रंजन की 'सोनू के टीटू की स्वीटी' शामिल हैं।

अब आयुष्मान खुराना के साथ आएंगी नजर

असिस्टेंट डायरेक्टर के तौर पर अपने करियर की शुरुआत करने वाली शरवरी अब सूरज बड़जात्या की फिल्म 'ये प्रेम मोल लिया' में नजर आने वाली हैं। फिल्म में उनके साथ अभिनेता आयुष्मान खुराना मुख्य भूमिका में दिखाई देंगे।

सूरज आर. बड़जात्या के निर्देशन में बनी यह फिल्म एक पारिवारिक रोमांटिक ड्रामा है।

इसमें आयुष्मान और शरवरी के अलावा अनुपम खेर, सुप्रिया पाठक, सीमा पाहवा, सौम्या टंडन और स्वानंद किरकिरे जैसे कलाकार भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। बता दें कि 'ये प्रेम मोल लिया' 27 नवंबर 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

रितेश की गोद में बैठी दिखीं जेनेलिया, नेटिजंस ने सोनिया गांधी के संस्मरण से क्यों जोड़ा कनेक्शन?



अभिनेता रितेश देशमुख और जेनेलिया इंडस्ट्री के चर्चित जोड़ों में शामिल हैं। कपल को फैंस काफी पसंद करते हैं। एक बार फिर ये अपने एक सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर सुर्खियां बटोर रहे हैं। रितेश देशमुख ने इंस्टाग्राम पर एक फोटो शेयर की है। यह वायरल हो रही है।

एक ही कुर्सी पर बैठे जेनेलिया-रितेश

रितेश देशमुख ने मंगलवार को अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से एक फोटो साझा किया है। रितेश और जेनेलिया एक रेस्टोरेंट में बैठे हैं। जेनेलिया को रितेश ने अपनी गोद में बिठा रखा है। अभिनेत्री उन्हें पिज्जा खिला रही हैं। दोनों हंसते-मुस्कुराते बेहद प्यारे लग रहे हैं। फोटो के साथ कैप्शन लिखा है, 'टेबल दो लोगों के लिए और कुर्सी एक के लिए'।

जेनेलिया ने दिया रिएक्शन

इस तस्वीर पर जेनेलिया ने भी रिएक्शन दिया है और ऑरेंज कलर के हार्ट इमोजी बनाए हैं। वहीं, फैंस भी फोटो पर प्यार लुटा रहे हैं। रितेश और जेनेलिया की जोड़ी को सबसे बेहतर और आइडल बता रहे हैं।

सोनिया गांधी के संस्मरण से क्यों जोड़ा कनेक्शन?

वहीं, कुछ यूजर्स इस तस्वीर का कनेक्शन कांग्रेस नेता सोनिया गांधी की किताब 'बिलॉन्गिंग : ए जर्नी ऑफ लव' से जोड़कर देख रहे हैं। दरअसल, बीते दिनों विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने अपनी मां और कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी के संस्मरण, 'बिलॉन्गिंग: अ जर्नी ऑफ लव' के विमोचन कार्यक्रम में एक ऐसी बात कही थी, जिस पर काफी विवाद हुआ। राहुल गांधी ने अपने माता-पिता के रिश्ते का जिक्र करते हुए कहा था कि खाने के समय पापा बैठे होते थे और उनकी गोद में मम्मा बैठी होती थीं। राहुल ने बताया कि बचपन में उन्हें यह सामान्य लगता था। लेकिन जब वह दोस्तों के घर जाते थे और उनके माता-पिता को इस तरह साथ नहीं देखते थे तो हैरान होते थे।

नेटिजंस ने क्या कहा?

जेनेलिया और रितेश की इस फोटो पर नेटिजंस कमेंट कर रहे हैं और लिख रहे हैं कि उन्होंने राजीव गांधी और सोनिया के मूमेंट को रिएक्रिएट कर दिया है। वहीं, कुछ यूजर्स लिख रहे हैं इस तस्वीर का रेफ्रेंस क्या सोनिया गांधी हैं?

पैर में बिजली के झटके जैसा होता रहता है दर्द कहीं ये साइटिका का संकेत तो नहीं?

लाइफस्टाइल और खानपान की गड़बड़ी का हमारे संपूर्ण स्वास्थ्य पर नकारात्मक असर देखा जा रहा है। बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक, सभी उम्र के लोगों की सेहत इससे प्रभावित हुई है। व्यायाम की कमी, सेडेंटरी लाइफस्टाइल और ऑफिस में घंटों एक ही जगह पर बैठे रहने की आदत के चलते कमर-पीठ और पैरों में दर्द की समस्याएं बहुत कॉमन हो गई हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञ बताते हैं, लंबे समय तक बैठकर काम करते रहना, शारीरिक गतिविधियों की कमी और गलत पोश्चर के कारण कमर से लेकर पैरों में दर्द की समस्या बढ़ जाती हैं। कुछ लोगों को कमर में दर्द के साथ कूल्हे, जांघ और पैर तक तेज दर्द महसूस होता है। कई बार दर्द के साथ झनझनाहट या सुन्नपन की समस्या भी बढ़ जाती है। अगर लगातार इस तरह की दिक्कतें आपको परेशान कर रही हैं तो ये साइटिका की समस्या का संकेत हो सकता है। अगर आपको भी कुछ समय से कमर से होकर दर्द पैरों तक फैल रहा है तो इस बारे में तुरंत डॉक्टर से मिलकर जांच करा लें। साइटिका की समस्या कुछ स्थितियों में गंभीर समस्याओं को बढ़ाने वाली भी हो सकती है।

साइटिका और इसकी समस्या के बारे में जानिए

क्लीवलैंड क्लिनिक की रिपोर्ट से पता चलता है साइटिका शरीर की सबसे बड़ी नस (साइटिक नर्व) पर दबाव के कारण होने वाला दर्द है। इसका दर्द कमर के निचले हिस्से से शुरू होकर कूल्हे और पैर तक फैल जाता है। ज्यादातर मामलों में यह एक तरफके पैर को प्रभावित करता है। वैसे तो साइटिका की समस्या समय के साथ ठीक हो जाती है, पर कुछ गंभीर स्थितियों में इसे ठीक करने के लिए सर्जरी तक की जरूरत हो सकती है। साइटिक नर्व शरीर की सबसे लंबी नसों में से एक है, जो कमर के निचले हिस्से से होते हुए कूल्हे और पैरों तक जाती है। जब इस नस पर दबाव पड़ता है या इसमें जलन होती है, तो दर्द कमर से पैर तक फैल सकता है। हालांकि हर तरह का कमर दर्द साइटिका नहीं होता।



आखिर क्यों होती है साइटिका की दिक्कत?

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, लाइफस्टाइल और पोश्चर की समस्याओं के कारण ऐसी स्थितियां हो सकती हैं जिसके कारण नसों पर दबाव बढ़ने लगता है। रीढ़ की हड्डियों के बीच मौजूद डिस्क का बाहर की तरफउभरना नस पर दबाव डाल सकता है।

स्पाइनल स्टेनोसिस की समस्या के कारण रीढ़ की नलिका के संकरी होने से नसों पर दबाव पड़ सकता है। इसके कारण भी साइटिका की दिक्कत हो सकती है। उम्र के साथ रीढ़ की हड्डियों में होने वाले बदलाव के कारण भी कुछ लोगों की नसें प्रभावित हो सकती हैं, जिसके कारण साइटिका का दर्द बढ़ने लग जाता है।

कहीं आपको भी तो नहीं है ये समस्या?

साइटिका की समस्या के कारण कमर में होने वाला दर्द कूल्हों से होते हुए पैरों तक फैलने लगता है। पैर में जलन या बिजली के झटके जैसा दर्द होता है। पैरों या पंजों में झनझनाहट महसूस होती रहती है। खांसने, छींकने या कुछ गतिविधियों के दौरान ये दर्द बढ़ सकता है।

आमतौर पर साइटिका का दर्द शरीर के एक तरफ ज्यादा महसूस होता है। अगर आप भी इस समस्या से परेशान हैं तो बिस्तर पर आराम करने के बजाय अपनी क्षमता के अनुसार हल्की गतिविधियां जारी रखें। फिजियोथेरेपी, डॉक्टर की सलाह से व्यायाम और दर्द नियंत्रित करने वाली दवाओं से राहत मिल सकती है। हालांकि अगर दोनों पैरों में कमजोरी या सुन्नपन बढ़ रहा हो या पेशाब-मल पर नियंत्रण में परेशानी होने लगे, तो तुरंत इमरजेंसी इलाज जरूरी हो जाता है।

21 साल बाद फिर साथ आए इमरान हाशमी और हिमेश रेशमिया, इंडियन आइडल के मंच पर पुरानी यादें की ताजा



अभिनेता इमरान हाशमी और म्यूजिक कंपोजर हिमेश रेशमिया की जोड़ी ने एक बार फिर पुरानी यादें ताजा कर दीं। दोनों करीब 21 साल बाद एक साथ नजर आए। दरअसल, सिंगिंग रियलिटी शो इंडियन आइडल लीजेंड्स रिटर्न में इमरान बतौर मेहमान पहुंचे। इस दौरान दोनों ने अपने लंबे जुड़ाव, फिल्मों में साथ काम करने के अनुभव और हाल ही में आई फिल्म गनमास्टर जी9 पर भी बात की। शो में पहुंचकर इमरान ने इंडियन आइडल के मंच पर लौटने की खुशी जाहिर की। उन्होंने शो की तारीफ करते हुए कहा, मैं एक ही चीज कहना चाहूंगा, बाकी शोज एक तरफ और इंडियन आइडल एक तरफ।

इसके बाद इमरान और हिमेश ने अपने 21 साल पुराने जुड़ाव को याद किया। अभिनेता ने इस मौके पर कहा, एक चीज मैं कह सकता हूं, देर आए लेकिन दुरुस्त आए। 21 साल हो गए, फिल्में बदल गईं, गाने बदल गए और हम भी थोड़े बदल गए, लेकिन दर्शकों का प्यार वैसा का वैसा ही है और बरकरार है। इमरान ने अपनी फिल्मों के गानों की सफलता का श्रेय हिमेश रेशमिया को दिया। उन्होंने मजाकिया अंदाज में बताया कि फिल्मों के टीजर, ट्रेलर और गानों में हिमेश का योगदान सबसे खास रहा है। उन्होंने कहा, टीजर हो या ट्रेलर हो, गाने हों, उसका श्रेय मैं नहीं लूंगा, वह हिमेश को जाता है। यह उनका टैलेंट है। मुझे सिर्फ बोला जाता था कि इधर से उधर जाओ और लिप-सिंक करो।

वहीं हिमेश ने भी इमरान की तारीफ करते हुए कहा, मेरा गाना हो या किसी और का, कुछ कलाकार ऐसे होते हैं, जो अपने अभिनय के साथ-साथ गानों को भी उसी अंदाज से पर्दे पर पेश करते हैं। इमरान भी उन्हीं में से एक हैं। लिप-सिंक के जरिए गाने को इस तरह पर्दे पर उतारना कि दर्शक उससे जुड़ जाएं, अपने आप में बड़ी खूबी है। इमरान हाशमी की फिल्म गनमास्टर जी9 27 नवंबर को बड़े पर्दे पर रिलीज होने वाली है।

खास-खबर

विष्णु भैया की सरकार में धान बेचना हुआ आसान

रायपुर। धान की बोरियां केंद्र तक पहुंचाने से पहले ही खैरागढ़-छुईखदान-गंडई जिले के ग्राम कटंगी कला के किसान भीखम पटेल को मालूम था कि उनकी उपज किस दिन खरीदी जाएगी। टोकन आसानी से मिला तो उन्होंने उसी तारीख के हिसाब से ढुलाई का इंतजाम किया और उपार्जन केंद्र पहुंचकर 44 क्विंटल 80 किलो धान बेचा। श्री चमरा राम पटेल के पुत्र भीखम पटेल ने बताया कि विष्णु भैया की सरकार में उन्हें टोकन लेने से लेकर केंद्र पर धान बेचने तक सहूलियत मिली। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य शासन ने खरीफविपणन वर्ष 2026-27 में 'तुहर टोकन' ऐप के माध्यम से किसानों को घर बैठे ऑनलाइन टोकन लेने की सुविधा दी है। इससे केवल टोकन लेने के लिए उपार्जन केंद्र तक आने-जाने में लगने वाला समय बचता है। बिक्री की तारीख पहले से पता होने पर किसान धान की भराई और ढुलाई के लिए वाहन की व्यवस्था समय पर कर पाते हैं। ज्ञात हो कि खैरागढ़-छुईखदान -गंडई जिले के 72 उपार्जन केंद्रों में 15 नवंबर से समर्थन मूल्य पर धान खरीदी शुरू हुई है। जिला प्रशासन ने केंद्रों पर पेयजल, छाया, बैठने की जगह और शौचालय जैसी बुनियादी सुविधाओं पर विशेष ध्यान दिया है।

झींगा पालन से जशपुर के मत्स्य कृषकों को मिलेगा दोहरा लाभ

रायपुर। जशपुर जिले में मत्स्य पालन को अधिक लाभकारी और रोजगारपरक बनाने के लिए पारंपरिक मछली पालन के साथ आधुनिक तकनीक आधारित झींगा पालन को बढ़ावा दिया जा रहा है। उपलब्ध जल संसाधनों का बेहतर उपयोग कर मत्स्य कृषकों की आय बढ़ाने और उनकी आजीविका मजबूत करने के उद्देश्य से यह पहल की गई है। योजना के तहत जिले के सभी विकासखंडों से निजी और पट्टे पर प्राप्त तालाबों में मत्स्य पालन करने वाले अनुसूचित जनजाति वर्ग के 40 हितग्राहियों का चयन किया गया है। इनके तालाबों में कुल 25 हेक्टेयर क्षेत्र पर मछली और झींगा का एकीकृत पालन (पॉलीकल्चर) किया जाएगा। इस संबंध में 23 नवंबर को मत्स्य बीज प्रक्षेत्र बाघिमा, जशपुर में प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें मत्स्य कृषकों को झींगा पालन की आधुनिक तकनीक, तालाब प्रबंधन, बीज संचयन और उत्पादन की जानकारी दी गई। कार्यक्रम में चयनित हितग्राहियों को झींगा बीज भी वितरित किया गया। योजना के अंतर्गत झींगा पालन के लिए प्रति हेक्टेयर लागत पर विभाग की ओर से 60 प्रतिशत अनुदान दिया जाएगा। इससे कृषक कतला और रोहू जैसी प्रमुख मछली प्रजातियों के साथ मीठे पानी में झींगा पालन कर सकेंगे। झींगा की बाजार में अच्छी मांग और अपेक्षाकृत अधिक मूल्य के कारण एक ही तालाब से दो तरह के मत्स्य उत्पाद प्राप्त होंगे।

महर्षि कश्यप जी की प्रतिमा आने वाली पीढ़ियों के लिए बनेगी प्रेरणा का केंद्र : उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा

उप मुख्यमंत्री एवं कवर्धा विधायक विजय शर्मा ने हटरी पारा में किया महर्षि कश्यप की प्रतिमा का अनावरण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। उप मुख्यमंत्री एवं कवर्धा विधायक विजय शर्मा ने कबीरधाम जिले के जिला मुख्यालय कवर्धा के हटरी पारा में 9 लाख 75 हजार रुपए की लागत से निर्मित महर्षि कश्यप चौक एवं महर्षि कश्यप जी की प्रतिमा का अनावरण किया। इस अवसर पर उन्होंने विधिवत पूजा-अर्चना कर महर्षि कश्यप का स्मरण किया। नवनिर्मित महर्षि कश्यप चौक को आकर्षक एवं भव्य स्वरूप प्रदान किया गया है। प्रतिमा अनावरण के अवसर पर कसौधन गुप्ता समाज के प्रतिनिधियों एवं सदस्यों द्वारा उप मुख्यमंत्री शर्मा का आत्मीय स्वागत किया गया। कार्यक्रम में समाज के पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित रहे।



उप मुख्यमंत्री एवं कवर्धा विधायक विजय शर्मा ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि महापुरुषों की प्रतिमाओं की स्थापना का उद्देश्य केवल उनका स्मरण करना नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों को उनके जीवन, संघर्ष और आदर्शों से प्रेरणा देना भी है। छत्रपति शिवाजी महाराज और पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी जी की प्रतिमाएं इसी उद्देश्य से स्थापित की गई हैं। इसके साथ ही कवर्धा शहर में और महापुरुषों की प्रतिमाएं स्थापित की जाएगी। उन्होंने कहा कि युवाओं को महापुरुषों के जीवन मूल्यों का अध्ययन कर उनके आदर्शों को अपने जीवन में आत्मसात करना चाहिए।

महर्षि कश्यप चौक एवं प्रतिमा का निर्माण समाज की आस्था, श्रद्धा और महर्षि कश्यप के प्रति सम्मान का प्रतीक है। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि कवर्धा नगर के विकास और नागरिकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। डीएफओ कार्यालय के सामने चौपाटी शुरू हो चुकी है। हनुमंत वाटिका को नगरवासियों का अच्छा प्रतिसाद मिल रहा है। इसी तरह पुराने काष्ठागार परिसर में शिव वाटिका का निर्माण होगा। बूढ़ा महादेव मंदिर के विस्तार एवं भव्य निर्माण की योजना पर भी कार्य किया जा रहा है। उप मुख्यमंत्री एवं कवर्धा विधायक विजय शर्मा ने कहा कि विंध्यवासिनी मंदिर में श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए प्रवेश व्यवस्था विकसित की जा रही है तथा मंदिर परिसर में विशाल हॉल का निर्माण कराया जा रहा है। वहीं भोरमदेव मंदिर परिसर में भव्य कॉरिडोर निर्माण के लिए केंद्र सरकार से 146 करोड़ रुपए स्वीकृत हुए हैं, जहां निर्माण कार्य जारी है। आने वाले समय में भोरमदेव मंदिर का धार्मिक एवं पर्यटन महत्व और अधिक बढ़ेगा।

श्री शर्मा ने कहा कि कवर्धा के विकास को गति देने के लिए बिलासपुर और रायपुर मार्ग पर लगभग 56 करोड़ रुपए की लागत से फोरलेन सड़क निर्माण कार्य प्रारंभ हो चुका है। इसके साथ ही विभिन्न प्रमुख मार्गों का उन्नयन किया जा रहा है। नए बस स्टैंड तक आवागमन सुगम बनाने के लिए ठाकुरदेव चौक से घोटिया रोड तक लगभग 10 करोड़ रुपए की लागत से सड़क बनाई गई है। नया बस स्टैंड भी प्रारंभ हो रहा है। उन्होंने कहा कि पुराने बस स्टैंड क्षेत्र में व्यापारिक केंद्र विकसित करने की दिशा में भी प्रयास किया जाएगा, ताकि नगर का विस्तार हो और स्थानीय व्यापारियों को बेहतर अवसर मिल सकें। नगर पालिका अध्यक्ष चन्द्रप्रकाश चंद्रवंशी ने देव दीपावली एवं प्रकाश पर्व की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि इस पावन अवसर पर महर्षि कश्यप जी की प्रतिमा का अनावरण समाज के लिए गौरव और प्रेरणा का विषय है। महर्षि कश्यप जी जैसे महान ऋषियों एवं महापुरुषों ने समाज और राष्ट्र को सही दिशा देने के लिए अपना जीवन समर्पित किया।

उनके विचारों, आदर्शों और बताए गए मार्गों पर चलना हम सभी का दायित्व है। आज देश और समाज को ऐसे राष्ट्रभक्त, समाजसेवी एवं संस्कारवान व्यक्तित्वों की आवश्यकता है, जो आने वाली पीढ़ियों को सही दिशा दिखा सकें। इस अवसर पर जिला पंचायत के अध्यक्ष ईश्वरी साहू, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष संतोष पटेल, देवेंद्र गुप्ता, कवर्धा शहर समाज के अध्यक्ष प्रभात गुप्ता, समाज के वरिष्ठ एवं मार्गदर्शक आत्मानंद गुप्ता, नगर पालिका परिषद के उपाध्यक्ष पवन जायसवाल सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं समाज के पदाधिकारी उपस्थित थे।

खेल के साथ सामाजिक सरोकार की पहल अपलिफ्ट ग्लोबल फांउडेशन द्वारा बैडमिंटन टूर्नामेंट का आयोजन 29 नवंबर को

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से अपलिफ्ट ग्लोबल फांउडेशन **(Uplift Global Foundation)** द्वारा 29 नवंबर 2026 को बैडमिंटन टूर्नामेंट का आयोजन किया जा रहा है। यह आयोजन खेल के माध्यम से सामाजिक सहभागिता और सेवा भावना को बढ़ावा देने की एक विशेष पहल है।

टूर्नामेंट का आयोजन शंकर नगर स्थित शिवशक्ति बैडमिंटन एरीना **(Shivshakti Badminton Arena)**' में किया जाएगा। इस प्रतियोगिता में कचना क्षेत्र के आसपास स्थित विभिन्न आवासीय सोसायटियों की कुल 16 डबल्स टीमें हिस्सा लेंगी। प्रतियोगिता के माध्यम से क्षेत्र के खिलाड़ियों को अपनी खेल प्रतिभा दिखाने, आपसी समन्वय बढ़ाने और खेल भावना के साथ प्रतिस्पर्धा करने का अवसर मिलेगा।



इस आयोजन की विशेष बात यह है कि प्रतियोगिता केवल खेल तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि इसे एक सामाजिक उद्देश्य से भी जोड़ा गया है। टूर्नामेंट के समापन के पश्चात अपलिफ्ट ग्लोबल फांउडेशन द्वारा कुछ जरूरतमंद एवं प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को बैडमिंटन किट वितरित की जाएगी, ताकि आर्थिक संसाधनों की कमी के कारण उनकी खेल प्रतिभा प्रभावित न हो और वे भविष्य में बेहतर प्रदर्शन कर सकें।

फ उंडेशन का मानना है कि खेल समाज में सकारात्मक ऊर्जा, अनुशासन, एकता और आत्मविश्वास का संचार करते हैं। साथ ही, जरूरतमंद खिलाड़ियों को आवश्यक खेल सामग्री उपलब्ध कराना उनकी प्रतिभा को आगे बढ़ाने की दिशा में एक सार्थक कदम है। अपलिफ्ट ग्लोबल फांउडेशन ने क्षेत्र की सभी आवासीय सोसायटियों, खेल प्रेमियों एवं नागरिकों से इस आयोजन में उत्साहपूर्वक सहभागिता करने तथा खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करने की अपील की है।

बस्तर ओलंपिक 2026: जिला स्तरीय आयोजन संपन्न, खिलाड़ियों को सांसद ने किया पुरस्कृत

श्रीकंचनपथ न्यूज

कांकेर। जिला मुख्यालय कांकेर में आयोजित दो दिवसीय जिला स्तरीय बस्तर ओलंपिक 2026 का आज विधिवत समापन हुआ। समापन समारोह के मुख्य अतिथि सांसद भोजराज नाग ने विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं के विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कार वितरित कर बधाई दी तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

समापन समारोह को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि सांसद श्री भोजराज नाग ने कहा कि आज बस्तर में शांति और विकास का मार्ग प्रशस्त हो रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में नक्सलवाद के उन्मूलन के प्रयासों तथा अर्धसैनिक बलों, पुलिस जवानों और बस्तर फाइटर्स के युवाओं के योगदान से बस्तर में सकारात्मक बदलाव आया है। पूर्व में नक्सलवाद के कारण विकास कार्य प्रभावित होते थे और लोग गांवों में जाने से डरते थे, लेकिन अब बस्तर विकास की राह पर तेजी से आगे बढ़ रहा है। युवाओं के हुनर को निखारने और उनकी प्रतिभा को सामने लाने के लिए बस्तर ओलंपिक महत्वपूर्ण मंच बन रहा है। उन्होंने सभी खिलाड़ियों को बधाई देते हुए कहा कि वे अपने हुनर के माध्यम से आगे बढ़ने का प्रयास करें, शासन-प्रशासन हरसंभव सहयोग करेगा। खेल से अनुशासन की सीख मिलती है, इसलिए जीवन में अनुशासन बनाए रखकर सफलता हासिल करें।

वन मंत्री केदार कश्यप ने कोण्डागांव को दी 12 करोड़ 47 लाख 75 हजार रुपये के 10 विकास कार्यों की सौगात

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रदेश के वन मंत्री केदार कश्यप ने मर्दापाल क्षेत्र अंतर्गत ग्राम बोटीकनेरा, हड़ेली और कुधूर में आयोजित भूमिपूजन कार्यक्रमों में शामिल होकर क्षेत्रवासियों को कुल 12 करोड़ 47 लाख 75 हजार रुपये की लागत के 10 महत्वपूर्ण विकास कार्यों की सौगात दी।

इन कार्यों में सड़क निर्माण, छात्रावास भवन, आहाता निर्माण, व्यावसायिक कॉम्प्लेक्स और सोलर हाई मास्ट लाइट स्थापना जैसे कार्य शामिल हैं। इनसे क्षेत्र में आवागमन, शिक्षा, स्वास्थ्य सुविधाओं और ग्रामीण बुनियादी ढांचे को मजबूती मिलेगी। इस दौरान कलेक्टर नूपुर राशि पन्ना, पुलिस अधीक्षक पंकज चंद्रा, जनपद पंचायत अध्यक्ष अनीता कोर्राम, उपाध्यक्ष टोमेंद्र ठाकुर सहित स्थानीय जनप्रतिधिगण उपस्थित रहे। इस अवसर पर वन मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि बस्तर में नक्सलवाद के खात्मे के साथ ही शांति और विश्वास का नया वातावरण निर्मित हुआ है। कभी नक्सलवाद के कारण जहां अधिकारी और कर्मचारी पहुंच नहीं पाते थे, आज वहां जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी पहुंचकर ग्रामीणों की समस्याओं का निराकरण कर रहे हैं।



शासन की योजनाएं अब दूरस्थ गांवों तक पहुंच रही हैं और विकास कार्यों को नई गति मिल रही है। उन्होंने नक्सलवाद से क्षेत्र को मुक्त कराने में पुलिस एवं सुरक्षा बलों के जवानों की भूमिका की सराहना करते हुए बधाई दी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह एवं मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में बस्तर को विकसित और समृद्ध संभाग बनाने का संकल्प साकार हो रहा है। शासन की प्राथमिकता है कि दूरस्थ गांवों तक सड़क, बिजली, शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार की सुविधाएं पहुंचे।

वन मंत्री ने ग्राम बोटीकनेरा में 72.50 लाख रुपये की लागत के विकास कार्यों का भूमिपूजन किया। इनमें मुख्यमंत्री समग्र ग्रामीण विकास योजना के तहत ग्राम पंचायत बोटीकनेरा में 10 लाख रुपये की लागत से पांच दुकानों वाले व्यावसायिक कॉम्प्लेक्स का निर्माण शामिल है। इससे स्थानीय युवाओं को व्यवसाय एवं स्वरोजगार के अवसर मिलेंगे।

अमनदीप खरे के तूफानी शतक से छत्तीसगढ़ की दमदार जीत, गोवा को 4 विकेट से हराया

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोलकाता। बी.सी.सी.आई. द्वारा आयोजित सैयद मुश्ताक अली टी-20 ट्रॉफी 2026-27 में छत्तीसगढ़ की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए गोवा को 4 विकेट से पराजित कर दिया। टूर्नामेंट में छत्तीसगढ़ का पांचवां मुकाबला 24 नवंबर 2026 को जाधवपुर यूनिवर्सिटी मैदान, कोलकाता में गोवा के विरुद्ध खेला गया। इस रोमांचक मुकाबले में अमनदीप खरे ने विस्फोटक बल्लेबाजी करते हुए शानदार शतक जड़ा और टीम की जीत के सबसे बड़े नायक बने। छत्तीसगढ़ ने टॉस जीतकर पहले क्षेत्ररक्षण करने का निर्णय लिया।

पहले बल्लेबाजी करने उतरी गोवा की टीम ने निर्धारित 20 ओवरों में 6 विकेट के नुकसान पर 196 रन बनाकर छत्तीसगढ़ के सामने 197 रनों का चुनौतीपूर्ण लक्ष्य रखा। गोवा की ओर से अभिनव तेजराना और ललित यादव ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए टीम को मजबूत शुरुआत दिलाई। दोनों बल्लेबाजों के बीच पहले विकेट के लिए 102 रनों की महत्वपूर्ण साझेदारी हुई। अभिनव तेजराना ने 62 रनों की पारी खेली, जबकि ललित यादव ने 57 रन बनाए। दोनों बल्लेबाजों ने छत्तीसगढ़ के गेंदबाजों पर दबाव बनाए रखा। इनके अतिरिक्त दीप राज गांवकर ने नाबाद 23 रनों का योगदान दिया। छत्तीसगढ़ की ओर से विजय यादव ने प्रभावी गेंदबाजी करते हुए 2 विकेट हासिल किए।





अमनदीप खरे ने रचा इतिहास

इस मुकाबले में अमनदीप खरे ने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में छत्तीसगढ़ की ओर से शतक लगाने वाले दूसरे बल्लेबाज बनने का गौरव हासिल किया। इसके साथ ही उन्होंने एक और ऐतिहासिक उपलब्धि अपने नाम की। अमनदीप खरे छत्तीसगढ़ की ओर से क्रिकेट के तीनों प्रारूपों में शतक लगाने वाले पहले बल्लेबाज बन गए हैं। उनके नाम चार दिवसीय क्रिकेट में 17 शतक, एक दिवसीय क्रिकेट में 5 शतक और टी-20 क्रिकेट में 1 शतक दर्ज हो गया है। इस प्रकार अमनदीप खरे ने प्रदेश की ओर से कुल 23 शतक लगाने की उपलब्धि हासिल की है। अमनदीप खरे की शानदार शतकीय पारी के लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। इस जीत में अमनदीप खरे के ऐतिहासिक शतक, देव आदित्य सिंह की तेजतर्रार बल्लेबाजी और टीम के सामूहिक प्रयासों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। गोवा के खिलाफ मिली यह जीत छत्तीसगढ़ टीम के लिए टूर्नामेंट में एक शानदार उपलब्धि साबित हुई।

अमनदीप खरे की आतिशी बल्लेबाजी, 62 गेंदों में 116 रन

197 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी छत्तीसगढ़ की टीम ने बेहद रोमांचक अंदाज में 19.5 ओवरों में 6 विकेट के नुकसान पर 197 रन बनाकर मुकाबला अपने नाम कर लिया। छत्तीसगढ़ की ओर से अमनदीप खरे ने शानदार बल्लेबाजी का प्रदर्शन करते हुए 62 गेंदों में 9 चौकों और 7 छक्कों की मदद से 116 रनों की विस्फोटक पारी खेली। अमनदीप खरे ने अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से गोवा के गेंदबाजों को लगातार दबाव में रखा। उन्होंने आयुष पांडे के साथ पारी की शुरुआत करते हुए पहले विकेट के लिए 86 रनों की महत्वपूर्ण साझेदारी की। आयुष पांडे ने 18 रन बनाकर टीम को अच्छी शुरुआत दिलाने में योगदान दिया। अमनदीप खरे के शतक के बाद भी मुकाबला अंतिम ओवरों तक रोमांचक बना रहा। ऐसे समय में देव आदित्य सिंह ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए केवल 7 गेंदों में नाबाद 24 रन बनाए और छत्तीसगढ़ को जीत की मंजिल तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई। उनकी तेजतर्रार पारी ने मैच का रुख छत्तीसगढ़ के पक्ष में कर दिया। गोवा की ओर से शुभम तारी ने 3 विकेट प्राप्त किए, जबकि वासुकी कौशिक ने 2 विकेट हासिल किए। हालांकि, छत्तीसगढ़ के बल्लेबाजों के दमदार प्रदर्शन के सामने गोवा के गेंदबाज लक्ष्य का बचाव नहीं कर सके।

युवा नेतृत्व संवाद जिला स्तरीय आयोजन संपन्न

महासमुंद। विकसित भारत युवा नेतृत्व संवाद के अंतर्गत जिला स्तरीय पी.पी.टी. राउंड प्रतियोगिता का आयोजन 23 नवंबर को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित किया गया। पुरस्कार वितरण समारोह में मुख्य अतिथि कलेक्टर विनय कुमार लंगेह द्वारा प्रतिभागियों को ट्रॉफी, गिफ्ट एवं प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत महासमुंद अनुपमा आनंद, खेल अधिकारी खेल एवं युवा कल्याण मनोज धृतलहरे, माई भारत जिला युवा अधिकारी वसुंधरा साहू उपस्थित रहे। कलेक्टर श्री विनय कुमार लंगेह ने सभी प्रतिभागियों को भागीदारी करने हेतु बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

CAR DECOR
House Of Exclusive
Seat Cover,
Car Stereos Matting &
Sun Control Film &
Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower.
Opp. Indian Coffee House,
Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM
Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES
FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden)
Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles,
CPVC Pipes &
Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

खास खबर

केलो डैम के पास 28 टन कबाड़ से भरा ट्रक पकड़ा गया, 9 लाख का माल जब्त

रायगढ़। ऑपरेशन प्रहार के तहत कोतवाली पुलिस ने लाखा केलो डैम के पास घेराबंदी कर 28 टन लोहे के कबाड़ से भरा ट्रक पकड़ा है। जब्त कबाड़ की कीमत करीब 9 लाख रुपए आंकी गई है। पूछताछ के दौरान चालक कबाड़ के परिवहन और स्रोत से जुड़े कोई वैध दस्तावेज नहीं दिखा सका, जिसके बाद पुलिस ने वाहन और माल जब्त कर वैधानिक कार्रवाई की। 22 नवंबर को कोतवाली थाना प्रभारी निरीक्षक अमित तिवारी को मुखबिर से सूचना मिली थी कि एक ट्रक में अवैध रूप से कबाड़ का परिवहन किया जा रहा है। इस पर पुलिस टीम ने लाखा केलो डैम के पास नाकाबंदी कर संदिग्ध ट्रक को रोका। तिरपाल से ढके ट्रक की तलाशी लेने पर उसमें लोहे के टुकड़े और टीन का कबाड़ भरा मिला। ट्रक चालक अब्दुल वहाब (50), निवासी झालावाड़ (राजस्थान) से माल के संबंध में पूछताछ करने पर वह संतोषजनक जवाब और दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर पाया। वजन कराने पर ट्रक में 28 टन कबाड़ निकला। पुलिस ने बीएनएसएस की धारा 35(क)(ड) और बीएनएस की धारा 303(2) के अंतर्गत मामला दर्ज किया है।

महाराष्ट्र से ला रहे 150 बोरी धान, गाड़ी जब्त

राजनांदगांव। जिले के कल्लुबंजारी चेकपोस्ट में अफसरों द्वारा महाराष्ट्र से ला रहे 150 बोरी धान को वाहन सहित जब्त किया गया है। इससे एक दिन पहले 23 नवंबर को मंडी डोंगरगढ़ क्षेत्र में दो प्रकरण बना कर कुल 120 कट्टा धान जब्त किया गया है। इसमें ग्राम कोहका में 60 कट्टा और डोंगरगढ़ में 60 कट्टा धान जब्त किया गया। दस्तावेज प्रस्तुत नहीं करना कार्रवाई का आधार बना। जिले में अब तक अवैध धान के कुल 31 प्रकरण दर्ज किए जा चुके हैं। इनमें 2855.50 क्विंटल धान और 6735 कट्टा जब्त किया गया है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि अवैध धान के भंडारण, परिवहन और बिक्री में संलिप्त लोगों के खिलाफ आगे सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। 25 नवंबर के लिए जिले के 122 उपार्जन केंद्रों में 1726 टोकन जारी किए हैं। 7350.80 मीट्रिक टन धान बेचने का पंजीयन हुआ है।

चिट्टा पहुंचाने वाले नेटवर्क के 13 गिरफ्तार, 40 लाख की संपत्ति जब्त

भिलाई। खुर्सीपार में स्कूल-कॉलेज के युवाओं तक चिट्टा पहुंचाने वाले नेटवर्क का पुलिस ने दो महीने की जांच के बाद पर्दाफाश कर 11 आरोपियों व दो अपचारी बालकों समेत कुल 13 लोगों को गिरफ्तार किया है। इसकी शुरुआत 19 सितंबर को जोन-3, जीरो स्ट्रीट निवासी जसबीर कौर के मकान पर छापेमारी से हुई। 14 लाख 9 हजार 200 रुपए की 70.460 ग्राम हेरोइन, बिक्री के 2 लाख 35 हजार 100 रुपए नकद, 19 सोने के आभूषण, चांदी के सामान व आठ मोबाइल सहित कुल 29 लाख 22 हजार 300 रुपए की सामग्री जब्त हुई। साक्ष्यों के आधार पर 19 सितंबर को तीन वयस्क व दो अपचारी बालक, 24 सितंबर को दो, 6 अक्टूबर को एक और बाद में तीन आरोपी पकड़े गए। मंगलवार 24 नवंबर को रबेल सिंह और गौरव अहिरवार की गिरफ्तारी के साथ यह संख्या 13 हो गई।

धान के अवैध भंडारण एवं खरीदी पर प्रशासन की सख्त कार्रवाई

दो दिनों में 1156 कट्टा से अधिक धान जब्त

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। खरीफविपणन वर्ष 2026-27 में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी व्यवस्था को पारदर्शी एवं सुव्यवस्थित बनाए रखने तथा अवैध धान के भंडारण, खरीदी और परिवहन पर प्रभावी नियंत्रण के लिए जिला प्रशासन द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है। कलेक्टर विनय लंगेह के निर्देशानुसार राजस्व, खाद्य एवं मंडी विभाग की संयुक्त टीमें जिले के विभिन्न तहसीलों में जांच एवं निरीक्षण कर रही हैं। इसी क्रम में 23 एवं 24 नवम्बर को जिले के विभिन्न स्थानों पर कार्रवाई करते हुए कुल 1,156 कट्टा से अधिक अवैध धान जब्त किया गया।



23 नवम्बर को तहसील बसना के ग्राम घुमाभाठा में हंसलाल पिता जगतूराम के पास से 45 कट्टा तथा ग्राम लम्बर में दिनेश कोसरिया की दुकान से लगभग 62 पैकेट खुला धान पाया गया। उक्त धान को मंडी अधिनियम के तहत जब्त कर मंडी विभाग को सौंपा गया। तहसील पिथौरा के ग्राम भुरकोनी निवासी विकास अग्रवाल के पास से 600 कट्टा अवैध धान प्राप्त होने पर मंडी अधिनियम के तहत कार्रवाई के लिए मंडी निरीक्षक को सुपुर्द किया गया।

24 नवम्बर को तहसील पिथौरा अंतर्गत शंकर ट्रेडर्स, जंघोरा से 116 कट्टा, किशनपुर स्थित रुखमणी ट्रेडर्स से लगभग 200 कट्टा तथा ग्राम खैरखुटा में जितेश बरिहा के पास से 33 कट्टा अवैध धान प्राप्त होने पर राजस्व एवं मंडी विभाग द्वारा संयुक्त कार्रवाई की गई। इसी प्रकार तहसील कोमाखान के ग्राम धौराभाटा में सलीम रिजवी की दुकान से 40 कट्टा तथा ग्राम भालूकोना में नरेश पिता घनाराम के घर से 60 कट्टा अवैध धान पाए जाने पर मंडी अधिनियम के तहत जब्ती की कार्रवाई की गई।

इसी दौरान महासमुंद स्थित शांति विजय एग्रोटेक राइस मिल का राजस्व, खाद्य एवं मंडी विभाग की संयुक्त टीम द्वारा निरीक्षण किया गया। तहसीलदार संतोष धुर्वे के नेतृत्व में खाद्य निरीक्षक सुशील शर्मा, मंडी निरीक्षक गिरधारी लाल ध्रूव एवं उपनिरीक्षक अखिलेश राठिया द्वारा स्टॉक एवं अभिलेखों का परीक्षण किया गया।

जांच में स्टॉक एवं रिकॉर्ड संतोषजनक पाए गए। मिलर द्वारा कोंडागांव जिले में जमा किए जाने वाले चावल के तीन लॉट आगामी चार दिनों में जमा करने का आश्वासन दिया गया है। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि धान खरीदी व्यवस्था में अनियमितता, अवैध भंडारण एवं बिचौलियों की गतिविधियों पर सतत निगरानी रखी जा रही है। नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध मंडी अधिनियम सहित प्रचलित प्रावधानों के तहत सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

आर्थिक तंगी से परेशान कारोबारी ने पत्नी व 3 बच्चों को जहर देकर खुद लगाई फांसी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रायपुर में एक ही परिवार के 5 सदस्यों की मौत के मामले में करीब 4 महीने बाद बड़ा खुलासा हुआ है। एसआईटी की जांच में परिवार के मुखिया साजिद अली को पत्नी और तीन बच्चों की हत्या का जिम्मेदार पाया गया है। जांच के मुताबिक, कारोबारी साजिद ने पहले पत्नी और बच्चों को खाने में कीटनाशक दिया। इसके बाद खुद फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस जांच में साजिद के सट्टे के कारोबार में नुकसान, नशे की लत और आर्थिक तंगी की बात सामने आई है।



साजिद अली के बैंक खातों में पिछले 5 साल में करीब 70 लाख रुपए का लेनदेन मिला है। पुलिस ने आर्थिक तंगी को इस घटना की मुख्य वजह माना है। मामला टिकरापारा थाना क्षेत्र के संजय नगर का है।

सट्टे के कारोबार में हो रहा था नुकसान

साजिद अली गोलबाजार और डगनिया इलाके में मोबाइल के जरिए सट्टा खिलाता था। जांच में पता चला कि इस कारोबार में उसे नुकसान हो रहा था। बाद में उसने सट्टे का काम बंद कर दिया। इसके बाद उसकी आर्थिक स्थिति और खराब हो गई थी।

एसआईटी ने साजिद के बैंक खातों की भी जांच की। पिछले 5 साल के दौरान खातों से करीब 70 लाख रुपए का लेनदेन मिला। जांच में सट्टे के कारोबार में नुकसान और उसके बंद होने के बाद पैदा हुई आर्थिक तंगी को परिवार की सामूहिक मौत की मुख्य वजह माना गया।

साजिद मौदहापारा में बैटरी रिपेयरिंग की दुकान चलाता था। उसने पहले ठेला लगाया था। बाद में बैटरी का काम शुरू किया और अपनी दुकान खोल ली थी।

पुलिस जांच में पता चला कि वह नशे का आदी था और पिछले कुछ महीनों से मानसिक तनाव में रह रहा था। वह करीब 15 साल से अपने भाइयों और बहनों से अलग रह रहा था। भिलाई में रहने वाले ससुराल पक्ष से भी उसका संपर्क बेहद कम था। पुलिस को यह जानकारी भी मिली कि कुछ लोग उससे उधार दिए पैसे मांगने घर आते थे।

बेटे को रात 12:30 बजे फोन कर बुलाया था

पुलिस के मुताबिक, घटना से पहले साजिद ने गुरुवार रात करीब 12:30 बजे अपने बेटे इरशाद को फोन किया था। उसने बेटे को तुरंत घर आने के लिए कहा और डांटते हुए बुलाया था। घर पहुंचने के बाद साजिद ने परिवार के साथ मिठाई खाई थी। वह बाजार से रसगुल्ला और पेड़ा लेकर आया था। इसके बाद साजिद के अलावा परिवार का कोई भी सदस्य घर से बाहर नहीं निकला।

17 जुलाई को घर में मिले थे पांचों के शव

17 जुलाई 2026 को संजय नगर स्थित घर में बैटरी कारोबारी साजिद अली, उसकी पत्नी, बेटे और दो बेटियों के शव मिले थे। घटना के बाद पुलिस ने जांच शुरू की और बाद में मामला एसआईटी को सौंप दिया गया।

टीम ने बैंक खातों, आर्थिक लेनदेन और सट्टे के कारोबार से जुड़े पहलुओं की पड़ताल की। करीब 4 महीने की जांच के बाद निष्कर्ष निकाला गया कि साजिद ने ही पत्नी और तीन बच्चों की हत्या की थी और फिर आत्महत्या कर ली थी।

बेटे ने पिता की हत्या : कुल्हाड़ी से सिर पर किया वार, हिरासत में आरोपी



श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में एक हत्या का मामला सामने आया है। जिसमें बेटे ने अपने ही पिता की कुल्हाड़ी से सिर पर वार कर उसकी हत्या कर दी। घटना के बाद मामले की सूचना पर पुलिस ने आरोपी को हिरासत में ले लिया है। मामला खरसिया थाना क्षेत्र का है।

मिली जानकारी के अनुसार ग्राम रानी सागर में रहने वाला धरम गिरी 62 साल और उसका बेटा राजकुमार गिरी 40 साल के बीच मंगलवार की रात में विवाद हुआ।

जिसके कारण गुस्से में आकर राजकुमार ने अपने ही पिता के सिर के पीछे हिस्से पर कुल्हाड़ी से जोरदार वार कर दिया। जिससे खून से लथपथ हालत में धरम गिरी की मौके पर ही मौत हो गई।

बताया जा रहा है कि राजकुमार गिरी शराब पीने का आदि था और उसका पिता उसे शराब पीने से मना करता था।

मंगलवार की रात भी उसने राजकुमार को शराब पीने से मना किया तो उनके बीच विवाद हो गया और आरोपी ने घटना को अंजाम दिया। घटना के बाद परिजनों ने मामले जानकारी पुलिस को दी। ऐसे में पुलिस व एफएसएल की टीम तत्काल मौके पर पहुंची और आरोपी को हिरासत में लिया है।

इस संबंध में खरसिया एसडीओपी सतीश भार्गव ने बताया प्रारंभिक जांच में जानकारी मिली कि पिता के द्वारा शराब पीने से मना करने पर विवाद हुआ। तब राजकुमार ने कुल्हाड़ी से वार कर दिया। जिससे उसके पिता की मौत हो गई। फिलहाल पुलिस की टीम मौके पर है और आगे की जांच की जा रही।

महुआ से बना रहे थे शराब, ठिकाने से 95 लीटर जब्त

श्रीकंचनपथ न्यूज

जांजगीर। सुबह की धुंध के बीच जब ज्यादातर लोग नींद में थे, तभी अकलतरा पुलिस ने ग्राम बड़े अमेरी के सबरिया डेरा में दबिश देकर अवैध कच्ची महुआ शराब बनाने के ठिकाने का भंडाफोड़ किया। पुलिस के मुताबिक, नाले के किनारे बड़ा चूल्हा जलाकर तीन हांडियों में बड़े पैमाने पर महुआ शराब तैयार की जा रही थी। इस कार्रवाई में मौके से 95 लीटर कच्ची महुआ शराब और दो महंगी बाइकों समेत कुल 3,20,000 रुपए का सामान जब्त किया गया है, जबकि एक आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया है।

थाना क्षेत्र में अवैध शराब व जुआ-सट्टा के खिलाफ विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत 24 नवंबर को मुखबिर से सूचना मिली कि बड़े अमेरी के नाले किनारे सबरिया डेरा में अवैध हाथ भट्टी से कच्ची महुआ शराब बनाई जा रही है। सूचना के आधार पर अकलतरा थाना, मुलमुला थाना और पुलिस सहायता केंद्र कोटमी की संयुक्त विशेष टीम ने सुबह-सुबह मौके पर घेराबंदी कर रेड की। मौके पर बड़ा चूल्हा बनाकर तीन हांडियों के जरिए बिक्री के उद्देश्य से कच्ची शराब बनाते हुए पाए जाने पर मुखबिर पंचनामा तैयार कर कार्रवाई आगे बढ़ाई गई।

मामले में पुलिस ने 22 वर्षीय आरोपी बाबूलाल गौड़ (पिता धरम गौड़), निवासी बड़े अमेरी कोटमीसोनार, थाना अकलतरा को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया है। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपी के कथन में इस अवैध काम में आशीष गौड़ और राकेश गौड़ के भी शामिल होने की बात सामने आई है, जिनकी तलाश की जा रही है। आरोपी के खिलाफ आबकारी एक्ट की धारा 34(2) और 59(क)अंतर्गत मामला दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है।

मुंबई की महिला 12किलो गांजे के साथ गिरफ्तार, सरोना रेलवे-प्लेटफॉर्म के पास बैग में लेकर घूम रही थी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रायपुर में पुलिस ने 12 किलो गांजे के साथ मुंबई की एक महिला को गिरफ्तार किया है। जब्त गांजे की कीमत करीब 6 लाख रुपए बताई गई है। महिला की पहचान सोनाली मोटे (42) के रूप में हुई है। वह महाराष्ट्र के मुंबई की रहने वाली है। पुलिस को सूचना मिली थी कि सरोना रेलवे प्लेटफॉर्म के पास एक महिला गांजा लेकर कहीं जाने की फिराक में है। 23 नवंबर को मिली इस सूचना के बाद एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट और डी.डी. नगर पुलिस की संयुक्त टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने मुखबिर के बताए हुलिए के आधार पर महिला की पहचान कर उसे पकड़ा। तलाशी के दौरान उसके पास रखे अलग-अलग बैग में गांजा मिला। इसके बाद पुलिस ने कुल 12 किलो गांजा जब्त कर महिला को गिरफ्तार कर लिया।



पुलिस ने आरोपी सोनाली मोटे के खिलाफ डी.डी. नगर थाने में अपराध क्रमांक 730/26 के तहत नारकोटिक एक्ट की धारा 20(बी) में केस दर्ज किया है। अब पुलिस उससे पूछताछ कर गांजे की सप्लाई के स्रोत और इसे कहां पहुंचाया जाना था, इसकी जानकारी जुटा रही है।

पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, मामले में फॉरवर्ड और बैकवर्ड लिंकेज के आधार पर जांच की जाएगी। यानी गांजा कहां से लाया गया था और इसकी सप्लाई किन लोगों तक होनी थी, दोनों कड़ियों की पड़ताल की जा रही है। इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की पहचान कर उनके खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी।

यह कार्रवाई पुलिस उपायुक्त स्मृतिक राजनाला और पुलिस उपायुक्त रॉबिन्सन गुरिया की संयुक्त मॉनिटरिंग में की गई।

अंबिकापुर में फर्जी बाबा ने की लाखों की ठगी, एफआईआर दर्ज

श्रीकंचनपथ न्यूज

सरगुजा। अंबिकापुर के रसूलपुर में पिछले कई माह से ठिकाना बनाकर रह रहे कथित बाबा ने लोगों से लाखों रुपये की ठगी कर ली है। मंगलवार रात बड़ी संख्या में लोग थाने पहुंचे और कथित बाबा पर जादू-टोना और बीमारी ठीक करने का झांसा देकर लाखों रुपये की ठगी करने की शिकायत दर्ज कराई।

आक्रोशित लोगों ने बाबा के ठिकाने को भी घेर लिया। मामले में पुलिस ने धोखाधड़ी का अपराध दर्ज कर लिया है। मामला कोतवाली थाना क्षेत्र का है। जानकारी के मुताबिक, उत्तरप्रदेश के सुल्तानपुर निवासी नौशाद अली करीब नौ माह पहले रसूलपुर निवासी दीपक खान के घर पहुंचा था। स्वयं को उसने सूफी सईद बाबा बताया और जादू-टोना व बीमारी ठीक करने का झांसा देकर लोगों से ठगी कर रहा था। अपने निवास का नाम उसने रकह बाबे शिफा रखा। लोगों को रूहानी ताकतों का मालिक और खुदा का मसीहा बताता था।

कई लोग हुए ठगी के शिकार थाने पहुंच दर्ज कराई रिपोर्ट

शिकायतकर्ताओं ने बताया कि कथित बाबा चमत्कार करने का झांसा देकर लोगों को अपने वश में कर लेता था और उनसे ठगी करता था। फर्जी बाबा द्वारा कई लोगों से ठगी की जानकारी मिलने पर मुस्लिम समुदाय के लोग बड़ी संख्या में थाने पहुंचे। लोगों ने बाबा के ठिकाने को भी



घेर लिया था, लेकिन पता चला कि बाबा वहां नहीं है। लोगों ने थाने पहुंचकर लाखों रुपये की ठगी की रिपोर्ट दर्ज कराई है।

शिकायतकर्ता आसीर अंसारी ने बताया कि नौशाद अली ने उससे फोन पे एवं नगद माध्यम से कुल 75 हजार की ठगी की है। वह बीमारी ठीक करने और नि:संतान दंपती का बच्चा पैदा कराने का झांसा देता था। शिकायत में बताया गया है कि फर्जी बाबा नौशाद अली ने बैकुंठपुर निवासी बाबा खान से नौ लाख रुपये, रसूलपुर निवासी शाहीद नाम के व्यक्ति से 4 लाख रुपये, यासीर खान से 75 हजार रुपये,, आदिल से 10 हजार रुपये, सोएब अख्तर से 20 हजार, समीर सिद्दीकी से 20 हजार, लारेब अहमद से 20 हजार सहित अन्य लोगों से हजारों रुपये ले लिया है। लोगों की आस्था से खिलवाड़ कर लाखों रुपये की ठगी की शिकायत पर पुलिस ने कथित बाबा नौशाद अली के खिलाफ धारा 318(4) के तहत अपराध दर्ज किया है। कोतवाली पुलिस ने लोगों को जल्द कार्रवाई कर आरोपी को गिरफ्तार करने का आश्वासन दिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

सेंट्रल जेल से फरार हुआ हत्या का आरोपी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रायपुर में हत्या के मामले में सजा काट रहा एक बंदी 18 साल पहले पैरोल पर जेल से बाहर आने के बाद फरार हो गया था। वह तय तारीख पर वापस जेल नहीं लौटा। अब करीब 18 साल बाद उसके खिलाफ कोतवाली थाने में एफआईआर दर्ज की गई है। आरोपी की पहचान गणेश देवांगन के रूप में हुई है।

पुलिस के मुताबिक, केंद्रीय जेल रायपुर से मिले पत्र के आधार पर यह केस दर्ज किया गया है। जेल रिकॉर्ड के अनुसार, गणेश देवांगन को हत्या के मामले में सजा सुनाई गई थी। उसे 3 अगस्त 2008 को दोबारा जेल में दाखिल होने की सूचना देकर 23 जुलाई 2008 को 10 दिन की पैरोल पर छोड़ा गया था। हालांकि, वह 23 जुलाई को जेल से बाहर आने के बाद निर्धारित तारीख पर वापस नहीं लौटा। केंद्रीय जेल रायपुर की ओर से पुलिस को भेजे गए पत्र में बंदी के पैरोल से फरार होने की जानकारी दी गई



थी। इसके साथ संबंधित दस्तावेज भी उपलब्ध कराए गए। इसके आधार पर 23 नवंबर 2026 को कोतवाली थाने में भारतीय दंड संहिता की धारा 224 के तहत अपराध दर्ज किया गया। मामले की जांच शुरू कर दी गई है। एफआईआर में दर्ज जानकारी के मुताबिक, गणेश देवांगन को 23 जुलाई 2008 को पैरोल पर छोड़ा गया था। उसे निर्धारित अवधि पूरी होने के बाद जेल में सरेंडर करना था, लेकिन वह वापस नहीं लौटा। इस तरह पैरोल से फरार होने के करीब 18 साल बाद उसके खिलाफ पुलिस ने मामला दर्ज किया है।

ट्रेन की चपेट में आई नाबालिग युवती, एक हाथ शरीर से अलग

बालोद। छत्तीसगढ़ के बालोद जिले में एक दर्दनाक हादसे में नाबालिग युवती गंभीर रूप से घायल हो गई। ट्रेन की चपेट में आने से उसका एक हाथ शरीर से अलग हो गया। घटना के बाद डायल 112 और 108 एंबुलेंस की सहायता से उसे अस्पताल पहुंचाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर देखते हुए डॉक्टरों ने बेहतर इलाज के लिए राजनांदगांव हायर सेंटर रेफर कर दिया। मामला दल्लीराजहरा थाना क्षेत्र के चिखलाकसा का है। घायल युवती डौंडी थाना क्षेत्र के ग्राम बम्हनी की रहने वाली है। घर से आधार कार्ड में सुधार कराने के लिए निकली थी। घटना से पहले युवती करीब दो घंटे तक घटनास्थल के आसपास मौजूद थी। ट्रेन नजदीक आई, उसने पटरी से हटकर अपनी जान बचाने के लिए छलांग लगाई। इसी दौरान उसका एक हाथ ट्रेन की चपेट में आ गया और शरीर से अलग हो गया।

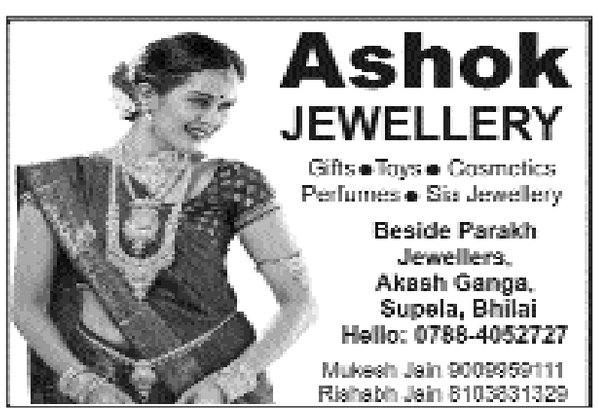
Ashok
JEWELLERY
Gifts • Toys • Cosmetics
Perfumes • Sia Jewellery
Beside Parakh Jewellers, Akash Ganga, Supela, Bhilai
Hello: 0788-4052727
Mukesh Jain 9009959111
Rishabh Jain 8103831329


मिलाई की सबसे बड़ी
चुड़ी की दुकान
निखार
बैंगल
मो.- 9826186026
Shop-47, 'A' Market, Sec-6, Bhilai Nagar, Distt., Durg (C.G.)


भिलाई मसाला उद्योग
शुद्ध कुटे हुए मसाले,पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई,
फोन. 2284508, मो. 9826137766

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन के अनुरूप शहरों को आर्थिक विकास के सशक्त केंद्र बना रही डबल इंजन सरकार : मुख्यमंत्री साय

मुख्यमंत्री ने रिसाली को दी 101 करोड़ रुपए से अधिक के विकास कार्यों की सौगात

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की परिकल्पना के अनुरूप छत्तीसगढ़ के शहरों को आर्थिक विकास, उद्योग, व्यापार और रोजगार के सशक्त केंद्र के रूप में विकसित किया जा रहा है। प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में केंद्र सरकार की विभिन्न योजनाओं और राज्य सरकार की पहल से नगरीय क्षेत्रों में आधुनिक अधोसंरचना तथा नागरिक सुविधाओं का तेजी से विस्तार हो रहा है। डबल इंजन की सरकार का प्रयास है कि शहरों में रहने वाले प्रत्येक नागरिक को बेहतर आवास, स्वच्छ पेयजल, सुगम आवागमन और गुणवत्तापूर्ण बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध हों। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने दुर्ग जिले के नगर पालिक निगम रिसाली में आयोजित विकास कार्यों के लोकार्पण एवं भूमिपूजन समारोह को संबोधित करते हुए यह बात कही।





रिसाली के लिए मुख्यमंत्री ने की महत्वपूर्ण घोषणाएं

मुख्यमंत्री साय ने दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर द्वारा रखी गई मांगों पर रिसाली नगर निगम क्षेत्र में जल शुद्धिकरण एवं पेयजल व्यवस्था के लिए 134 करोड़ रुपए, वार्ड क्रमांक 1 से 40 तक नाली सुदृढ़ीकरण के लिए 2 करोड़ रुपए तथा नेवई और जोरातराई में मुक्तिधामों के उन्नयन के लिए 50-50 लाख रुपए की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि आने वाले दिनों में रिसाली नगर निगम क्षेत्र को भी पीएम ई-बस सेवा से जोड़ा जाएगा। इससे क्षेत्र के नागरिकों को सुगम, सुरक्षित और सुविधाजनक सार्वजनिक परिवहन का लाभ मिलेगा। उन्होंने विश्वास दिलाया कि रिसाली के विकास और नागरिक सुविधाओं के विस्तार के लिए राज्य सरकार निरंतर कार्य करती रहेगी।

रिसाली के विकास में पैसे की कमी नहीं होगी : उपमुख्यमंत्री अरुण साव

उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रदेश में सुशासन और विकास का नया अध्याय लिखा जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सबका साथ, सबका विकास के मूलमंत्र के अनुरूप नगरीय क्षेत्रों में नागरिक सुविधाओं का लगातार विस्तार किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि आज रिसाली को 101 करोड़ रुपए से अधिक के विकास कार्यों की सौगात मिली है। प्रदेश के नगरीय निकायों ने विभिन्न क्षेत्रों में राष्ट्रीय स्तर पर अनेक पुरस्कार प्राप्त कर छत्तीसगढ़ का गौरव बढ़ाया है। उपमुख्यमंत्री साव ने रिसालीवासियों को आश्वस्त किया कि नगर निगम क्षेत्र के विकास के लिए धन की कोई कमी नहीं होने दी जाएगी। दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर ने अपने स्वागत उद्बोधन में किसानों के हित में लिए गए निर्णयों तथा रिसाली क्षेत्र को विकास कार्यों की सौगात देने के लिए मुख्यमंत्री साय का आभार व्यक्त किया। उन्होंने क्षेत्र की विभिन्न आवश्यकताओं और मांगों की ओर मुख्यमंत्री का ध्यान आकर्षित किया।

किसानों, महिलाओं और गरीब परिवारों के जीवन में आ रहा बदलाव

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गारंटी को पूरा करते हुए राज्य सरकार ने बीते लगभग तीन वर्षों में जनकल्याण की दिशा में अनेक महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। गरीब परिवारों को पक्के आवास उपलब्ध कराने के लिए 18 लाख मकानों की व्यवस्था की गई है, जिनमें से 12 लाख आवासों का निर्माण पूरा हो चुका है। उन्होंने कहा कि महतारी वंदन योजना के माध्यम से प्रदेश की लगभग 68 लाख महिलाओं को प्रतिमाह आर्थिक सहायता प्रदान की जा रही है। योजना की अब तक 33 किस्तें जारी की जा चुकी हैं। इससे महिलाओं को आर्थिक संबल मिलने के साथ परिवार की आवश्यकताओं को पूरा करने में भी सहायता मिल रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार किसानों के हितों की रक्षा और उनकी आय बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है। खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 में 15 नवंबर से प्रदेश के लगभग 3100 उपार्जन केंद्रों में धान खरीदी प्रारंभ की गई है। किसानों को धान बेचने में किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए 360 नए धान उपार्जन केंद्र प्रारंभ किए गए हैं।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने इस अवसर पर 101 करोड़ रुपए से अधिक की लागत के विभिन्न विकास कार्यों की सौगात दी। साथ ही क्षेत्र में पेयजल व्यवस्था के सुदृढ़ीकरण, जल निकासी और मुक्तिधामों के उन्नयन के लिए महत्वपूर्ण घोषणाएं कीं। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश में नगरीय विकास को नई दिशा दी है। प्रधानमंत्री आवास योजना के माध्यम से गरीब परिवारों को पक्के मकान उपलब्ध कराए जा रहे हैं। अमृत मिशन से शहरों में पेयजल और अन्य बुनियादी सुविधाओं का विस्तार हो रहा है। स्वच्छ भारत मिशन ने शहरों में स्वच्छता के प्रति नई जागरूकता पैदा की है। पीएम स्वनिधि योजना से रेहड़ी-पटरी और छोटे कारोबारियों को आर्थिक संबल मिल रहा है, वहीं पीएम ई-बस सेवा के माध्यम से आधुनिक और पर्यावरण अनुकूल सार्वजनिक परिवहन को बढ़ावा दिया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जी की सोच है कि शहर केवल आबादी के केंद्र न रहें, बल्कि आर्थिक गतिविधियों, व्यापार, उद्योग और रोजगार के नए अवसरों के केंद्र बनें। इसी दृष्टिकोण को आगे बढ़ाते हुए छत्तीसगढ़ सरकार नगरीय क्षेत्रों के सुनियोजित विकास पर विशेष ध्यान दे रही है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि प्रदेश के शहरों की बढ़ती आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए राज्य सरकार ने मुख्यमंत्री नगरोत्थान योजना प्रारंभ की है। इसके माध्यम से मुख्य सड़कों, पेयजल आपूर्ति, जल निकासी, सार्वजनिक परिवहन, प्रकाश व्यवस्था और अन्य आवश्यक नागरिक सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार का उद्देश्य केवल अधोसंरचना का निर्माण करना नहीं, बल्कि नागरिकों के जीवन को अधिक सुविधाजनक और बेहतर बनाना है। राज्य के छोटे-बड़े सभी शहरों में विकास की समान गति सुनिश्चित करने के लिए योजनाबद्ध तरीके से कार्य किए जा रहे हैं। रिसाली नगर निगम क्षेत्र का समग्र विकास भी इसी व्यापक प्रयास का हिस्सा है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि आज रिसाली नगर निगम क्षेत्र में 101 करोड़ से अधिक की लागत के विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन किया गया है। इनमें नगर निगम के अंतर्गत 29 करोड़ 55 लाख रुपए की लागत के 22 कार्यों का भूमिपूजन तथा 39 करोड़ 56 लाख रुपए की लागत के दो कार्यों का लोकार्पण शामिल है। इसके अतिरिक्त लोक निर्माण विभाग के अंतर्गत 28 करोड़ 6 लाख रुपए की लागत के एक कार्य और मुख्यमंत्री ग्राम सड़क एवं विकास योजना के अंतर्गत 3 करोड़ 84 लाख रुपए की लागत के चार कार्यों का भूमिपूजन किया गया। उन्होंने कहा कि आजाद मार्केट से प्रगति नगर होते हुए मैत्री कुंज तक 10 करोड़ 84 लाख रुपए की लागत से नाला निर्माण किया जाएगा। इससे क्षेत्र में जल निकासी की व्यवस्था बेहतर होगी।

इसी प्रकार डीपीएस चौक से जोहार चौक तक 5 करोड़ 59 लाख रुपए की लागत से सड़क का विकास किया जाएगा, जिससे यातायात अधिक सुगम होगा। मुख्यमंत्री ने बताया कि नगर निगम के वार्ड क्रमांक 18 में लगभग 1 करोड़ 95 लाख रुपए की लागत से ओवरहेड टैंक का निर्माण किया जाएगा। मैत्री नगर में लगभग 1 करोड़ 65 लाख रुपए की लागत से उद्यान निर्माण, समतलीकरण, स्ट्रीट लाइट और हाईमास्ट लाइट लगाने के कार्य किए जाएंगे।

इसी प्रकार तालपुरी और रूआबांधा क्षेत्र में लगभग 98 लाख रुपए से अधिक की लागत से विकास कार्य होंगे। डुंडेरा पश्चिम में 77 लाख रुपए, नेवई भांठा एवं नेवई बस्ती पूर्व में 74 लाख रुपए तथा सक्ती विहार रिसाली में 67 लाख रुपए की लागत से विभिन्न नागरिक सुविधाओं का विकास किया जाएगा। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ स्वामी विवेकानंद तकनीकी विश्वविद्यालय, नेवई भिलाई में लगभग 28 करोड़ 7 लाख रुपए की लागत से नए आवासीय भवन, बालक छात्रावास और वर्कशॉप भवन का निर्माण किया जाएगा। इससे विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक और आवासीय सुविधाएं उपलब्ध होंगी। उन्होंने कहा कि इन सभी कार्यों में सड़क, पेयजल, जल निकासी, स्वच्छता, प्रकाश व्यवस्था, उद्यान, सामुदायिक सुविधाओं और शैक्षणिक अधोसंरचना को प्राथमिकता दी गई है। इन विकास कार्यों से रिसाली के नागरिकों को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी और क्षेत्र के समग्र विकास को नई गति मिलेगी।

कार्यक्रम के दौरान विभिन्न विभागों द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं के अंतर्गत 95 हितग्राहियों को सहायता राशि के चेक, सामग्री, प्रशस्ति पत्र एवं अधिकार अभिलेख प्रदान किए गए। मुख्यमंत्री श्री साय ने समाज कल्याण विभाग की हितग्राही चंचला दुर्गा एवं रघुनंदन ध्रुव को मोटराइज्ड ट्राइसाइकिल, शिव प्रसाद को ट्राइसाइकिल, विकास कुमार को व्हीलचेयर तथा रोहिणी मानिकपुरी को श्रवण यंत्र प्रदान किया। अन्य हितग्राहियों को भी विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत सहायता सामग्री और लाभ वितरित किए गए।

नेतनागर में जन चौपाल लगाकर ग्रामवासियों से किया आत्मीय संवाद, उनकी समस्याएं सुनीं

ग्रामीणों की समस्याओं का समाधान सरकार की प्राथमिकता - वित्त मंत्री

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। वित्त मंत्री एवं रायगढ़ विधायक ओपी चौधरी ने रायगढ़ के नेतनागर में जन चौपाल लगाकर ग्रामवासियों से आत्मीय संवाद किया। उन्होंने ग्रामीणों की समस्याओं को ध्यान से सुना और गांव की जरूरतों तथा विकास कार्यों के संबंध में उनसे चर्चा की।



श्री चौधरी ने कहा कि गांवों के विकास की योजना बनाते समय वहां रहने वाले लोगों की बात सुनना जरूरी है।

जन चौपाल के माध्यम से ग्रामवासियों को अपनी समस्याएं और सुझाव सीधे रखने का अवसर मिलता है। उन्होंने ग्रामीणों को आश्वस्त किया कि उनकी बातों पर गंभीरता से ध्यान दिया जाएगा और समस्याओं के समाधान के लिए आवश्यक पहल की जाएगी। वित्त मंत्री ने कहा कि डबल इंजन सरकार में स्वीकृत विकास कार्यों से गांवों में विकास की गति तेज हो रही है।

सरकार का प्रयास है कि विकास कार्यों का लाभ ग्रामीणों तक पहुंचे और उनकी रोजमर्रा की जरूरतों से जुड़ी समस्याओं का समाधान हो। उन्होंने कहा कि ग्रामवासियों से निरंतर संवाद करते हुए क्षेत्र के विकास के लिए काम किया जाएगा।

मुख्यमंत्री साय का जनदर्शन कल

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का जनदर्शन कार्यक्रम गुरुवार 26 नवंबर को आयोजित किया जाएगा। मुख्यमंत्री निवास, सिविल लाइन, रायपुर में दोपहर 12 बजे से 3 बजे तक आयोजित जनदर्शन में मुख्यमंत्री साय आमजनों से सीधे मुलाकात कर उनकी समस्याएं एवं मांगें सुनेंगे। मुख्यमंत्री साय जनदर्शन के दौरान नागरिकों की समस्याओं से रूबरू होंगे तथा उनके त्वरित एवं यथोचित निराकरण के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देंगे। आमजन अपनी समस्याओं, मांगों और सुझावों को सीधे मुख्यमंत्री के समक्ष रख सकेंगे।

मुख्यमंत्री साय ने भिलाई में 154 करोड़ 66 लाख 86 हजार रूपए का किया लोकार्पण और भूमिपूजन

श्रीकंचनपथ समाचार



रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने इस्पात नगरी खुर्सीपार भिलाईवासियों को कुल 154 करोड़ 66 लाख 86 हजार रूपए की सौगात दी। मुख्यमंत्री ने लोकार्पण एवं भूमिपूजन समारोह को सम्बोधित करते हुए कहा कि पिछले तीन वर्षों में नगर निगम भिलाई के विकास के लिए 886 करोड़ रुपये जारी किए जा चुके है। मुख्यमंत्री साय ने बीएसपी टाउनशिप में रहने वाले नागरिकों के रिटेंशन आवास के किराए में हुई 24 गुना वृद्धि को लेकर सांसद, विधायक एवं अन्य जनप्रतिनिधियों के साथ चर्चा के बाद अधिकारियों से बात की गई।

इसके बाद मासिक किराए में बढ़ोतरी को कम कर 6 रुपये किए जाने का निर्णय लिया गया, जिससे हजारों परिवारों को राहत मिली है। मुख्यमंत्री श्री साय द्वारा छत्तीसगढ़ सरकार के बीते तीन वर्षों के विकास कार्यों और योजनाओं का उल्लेख करते हुए बताया गया कि प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में प्रतिदिन 1600 आवास बनाए जा रहे हैं, वहीं शहरी विकास के तहत तीन वर्षों में 77 हजार से अधिक मकानों का निर्माण कराया गया है। महतारी वंदन योजना के तहत 68 लाख से अधिक महिलाओं को प्रतिमाह एक हजार रुपये दिए जा रहे हैं। योजना के अंतर्गत 33 किस्तों में 21 हजार 350 करोड़ रुपये से अधिक की राशि अंतरित की जा चुकी है। रामलला दर्शन योजना सहित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं से भी लोगों को लाभान्वित किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने भिलाई से अपने पुराने जुड़ाव का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री ने जब इस्पात राज्यमंत्री का दायित्व सौपा था, तो क्षेत्र की समस्याओं और विभिन्न घटनाओं के समय लोगों के साथ संवाद एवं सहयोग बना रहा।

इस दौरान मुख्यमंत्री श्री साय ने विधानसभा क्षेत्र के विकास के लिए दो प्रमुख सड़क निर्माण कार्यों की घोषणा की। कुरुद-जुनवानी कोहका मार्ग से साकेत नगर, कुरुद बस्ती एवं सुंदर विहार तक सड़क निर्माण के लिए 13 करोड़ रुपये तथा जुनवानी-कोहका-कुरुद मार्ग में कोसानाला से कुटेला मार्ग एवं कुटेलाभाठा सड़क निर्माण के लिए 14 करोड़ रुपये की घोषणा की गई। इसके अलावा भिलाई नगर में ऑडिटोरियम और इंडोर स्टेडियम निर्माण की भी घोषणा की गई। उप मुख्यमंत्री श्री अरूण साव कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ में तेजी से हो रहे विकास कार्यों और नगरीय सुविधाओं के विस्तार पर जोर देते हुए मुख्यमंत्री द्वारा 154 करोड़ रुपये के विकास कार्यों की सौगात दी गई है। प्रदेश में सरकार बनने के बाद पिछले तीन वर्षों में गांवों और शहरों का तेज गति से विकास हुआ है और छत्तीसगढ़ आज विकास की दिशा में निरंतर आगे बढ़ रहा है।

छत्तीसगढ़ के सामने नक्सलवाद की सबसे बड़ी चुनौती थी, जिससे अब प्रदेश मुक्त हो चुका है और यह बड़ा बदलाव पिछले तीन वर्षों में आया है। इसके साथ ही राज्य में निवेश, उद्योग और राष्ट्रीय स्तर के संस्थान आने से छत्तीसगढ़ आने वाले समय में देश के अग्रणी राज्यों में शामिल होगा, जिसमें भिलाई की प्रभावी भूमिका रहेगी। विकास कार्यों की जानकारी देते हुए बताया गया कि पिछले तीन वर्षों में केवल नगर निगम भिलाई के विकास के लिए 886 करोड़ रुपये जारी किए जा चुके है। नगरीय निकायों को स्वच्छ, सुंदर और सुविधाजनक बनाने के लिए सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयासों के चलते छत्तीसगढ़ को हर साल नगरीय निकायों के क्षेत्र में राष्ट्रीय स्तर पर पुरस्कार मिल रहे हैं।

बटन दबाकर राशि का हस्तांतरण- मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने राजस्व विभाग के अंतर्गत यश ड्रीम चिटफंड कंपनी के निवेशकों को उनकी जमा राशि वापस करने की प्रक्रिया के तहत 3000 निवेशकों को कुल 3 करोड़ 16 लाख 54 हजार 889 रुपये की राशि का हस्तांतरण बटन दबाकर संबंधित निवेशकों को किया गया। साथ ही नगर निगम भिलाई के अंतर्गत प्रधानमंत्री आवास योजना 2.0 के तहत 8 हितग्राहियों को प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। वहीं पीएम स्वनिधि योजना के तहत 6 हितग्राहियों को निगम क्षेत्र के स्ट्रीट वेंडर्स को व्यवसाय के लिए बैंक ऋण उपलब्ध कराया गया। स्वास्थ्य विभाग के अंतर्गत आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत 5 हितग्राहियों को आयुष्मान कार्ड प्रदान किया गया।

सहायक श्रमायुक्त विभाग के अंतर्गत मुख्यमंत्री निर्माण श्रमिक मृत्यु एवं दिव्यांग सहायता योजना के दो हितग्राहियों को 1-1 लाख रुपये के चेक प्रदान किए गए तथा सात श्रमिकों को श्रमिक पंजीयन कार्ड वितरित किए गए। महिला एवं बाल विकास विभाग की छत्तीसगढ़ महिला कोष योजना के अंतर्गत 9 महिला स्व-सहायता समूहों को ऋण राशि के चेक प्रदान किए गए। मत्स्य विभाग के अंतर्गत आईस बॉक्स एवं नाव-जाल का वितरण किया गया तथा पट्टाधृति योजना के तहत 10 हितग्राहियों को पट्टा वितरण किया गया।

मितानिन बहनें ग्रामीण स्वास्थ्य व्यवस्था की मजबूत आधारशिला जनसेवा में उनका योगदान अमूल्य : मंत्री राजेश अग्रवाल

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। प्रदेश के पर्यटन, संस्कृति, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व मंत्री राजेश अग्रवाल सरगुजा जिले के उदयपुर विकासखंड अंतर्गत रामगढ़ में आयोजित मितानिन सम्मान कार्यक्रम में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं को जन-जन तक पहुंचाने तथा समाज सेवा के क्षेत्र में निःस्वार्थ भाव से कार्य करने वाली मितानिन बहनों के समर्पण, परिश्रम और सेवाभाव की सराहना की। उन्होंने कहा कि मितानिन बहनें ग्रामीण स्वास्थ्य व्यवस्था की मजबूत आधारशिला हैं।



समाज के अंतिम व्यक्ति तक स्वास्थ्य सुविधाओं और जागरूकता का लाभ पहुंचाने में उनकी भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण और प्रेरणादायक है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि मितानिन बहनें केवल स्वास्थ्य कार्यकर्ता नहीं, बल्कि ग्रामीण समाज में सेवा, संवेदना और विश्वास की प्रतीक हैं। वे गांव-गांव और घर-घर पहुंचकर माताओं, बहनों, बच्चों तथा जरूरतमंद परिवारों को स्वास्थ्य संबंधी जानकारी एवं आवश्यक सहयोग प्रदान करती हैं।

विशेष रूप से गर्भवती महिलाओं की देखभाल, सुरक्षित मातृत्व, संस्थागत प्रसव को प्रोत्साहन, बच्चों के टीकाकरण, पोषण एवं स्वच्छता के प्रति जागरूकता फैलाने में उनका योगदान सराहनीय है। मंत्री अग्रवाल ने कहा कि मितानिन बहनें विपरीत परिस्थितियों में भी अपने कर्तव्यों का निर्वहन पूरी निष्ठा और जिम्मेदारी के साथ करती हैं। दूरस्थ एवं ग्रामीण अंचलों में स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच सुनिश्चित करने के लिए उनका निरंतर प्रयास समाज के प्रति उनकी गहरी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि किसी भी समाज की वास्तविक प्रगति तभी संभव है, जब उसके नागरिक स्वस्थ, जागरूक और सशक्त हों। इस दिशा में मितानिन बहनें महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं।

श्री अग्रवाल ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार प्रदेश की स्वास्थ्य सुविधाओं को सुदृढ़ बनाने तथा ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों में बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। सरकार का उद्देश्य है कि गांवों में रहने वाले प्रत्येक नागरिक को समय पर आवश्यक स्वास्थ्य सुविधाएं प्राप्त हों। इस लक्ष्य को साकार करने में मितानिन बहनों की सक्रिय भागीदारी अत्यंत महत्वपूर्ण है।

उन्होंने कहा कि मितानिन बहनें स्वास्थ्य विभाग और ग्रामीण समुदाय के बीच एक मजबूत सेतु के रूप में कार्य करती हैं। वे न केवल स्वास्थ्य संबंधी योजनाओं की जानकारी लोगों तक पहुंचाती हैं, बल्कि जरूरतमंद परिवारों को स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ दिलाने में भी सहयोग करती हैं। उनके प्रयासों से ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ रही है और महिलाओं एवं बच्चों की स्वास्थ्य सुरक्षा को मजबूती मिल रही है। मंत्री श्री अग्रवाल ने कहा कि समाज में सेवा का कार्य सबसे बड़ा और पुण्य कार्य है। मितानिन बहनें अपने परिवार की जिम्मेदारियों का निर्वहन करते हुए दूसरों के स्वास्थ्य और जीवन की चिंता करती हैं। उनका यह त्याग, समर्पण और सेवाभाव पूरे समाज के लिए अनुकरणीय है। उन्होंने कहा कि मितानिन बहनों की मेहनत और जनसेवा की भावना को जितना सम्मान दिया जाए, वह कम है। उन्होंने कहा कि मितानिन बहनों का योगदान केवल स्वास्थ्य सेवाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि वे सामाजिक जागरूकता, स्वच्छता, पोषण, महिला सशक्तिकरण और जनकल्याणकारी गतिविधियों में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में सकारात्मक सामाजिक परिवर्तन लाने में उनकी सहभागिता विशेष महत्व रखती है।

इस अवसर पर मंत्री राजेश अग्रवाल ने मितानिन बहनों के सेवाभाव और समर्पण को नमन करते हुए कहा कि उनका सम्मान वास्तव में निःस्वार्थ जनसेवा की भावना का सम्मान है। उन्होंने सभी मितानिन बहनों को उनके उत्कृष्ट कार्यों के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए भविष्य में भी इसी उत्साह, संवेदनशीलता और प्रतिबद्धता के साथ जनसेवा के कार्यों में सक्रिय रहने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में उपस्थित मितानिन बहनों एवं स्थानीय नागरिकों ने ग्रामीण स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ बनाने और जनकल्याण के कार्यों को आगे बढ़ाने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। समारोह में मितानिन बहनों के योगदान के प्रति सम्मान और आभार का भाव प्रमुखता से दिखाई दिया।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950